राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 97 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, बुधवार 18 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सोने की खदान के नाम पर 1.90 करोड़ की ठगी, आरोपी मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। तंजानिया में सोने की खदान में निवेश के नाम पर करीब 1 करोड़ 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी विदेश भागने की फिराक में था, जिसे लुक आउट सर्कुलर के आधार पर मुंबई एयरपोर्ट से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी यश राजेश शाह (28 वर्ष), निवासी घाटकोपर पूर्व मुंबई, ने प्रार्थी समर्थ बरडिया और उसके साथी को तंजानिया में सोने की खदान होने का झांसा दिया था। आरोपी ने खुद को खदान का मालिक बताते हुए पार्टनरशिप में निवेश कराने के नाम पर फर्जी अनुबंध तैयार किया और उनसे बड़ी रकम वसूल ली।

जांच में सामने आया कि आरोपी के पास तंजानिया में किसी भी प्रकार का खनन अधिकार नहीं था और न ही वह किसी खदान का वास्तविक संचालक था। उसने सुनियोजित तरीके से झूठे दस्तावेज तैयार कर निवेश के नाम पर ठगी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था। इसी दौरान सूचना मिली कि आरोपी वियतनाम भागने के लिए मुंबई एयरपोर्ट पहुंचा है। दस्तावेजों की जांच के दौरान उसे ट्रेस कर लिया गया और पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के कब्जे से एक आईफोन और पासपोर्ट जब्त किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने ठगी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी के खिलाफ सिविल लाइन थाना में धारा 420, 423, 467, 468 और 120बी के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

साइबर अपराधियों के तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक करें, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को ऐसे लोगों को जागरूक करना चाहिए, मुआवजा देना चाहिए और उनकी सुरक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए, जिन्होंने साइबर धोखाधड़ी में अपनी मेहनत की कमाई गंवा दी है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब उन्होंने म्यूल बैंक खातों का निर्माण कर उन्हें साइबर अपराधियों को बेचने के एक आरोपित परमजीत खरब को जमानत दे दी। म्यूल बैंक अकाउंट एक ऐसा अकाउंट होता है जिसका इस्तेमाल साइबर ठग हड़पी गई रकम को ट्रांसफर कराने के लिए करते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) एसडी संजय से कहा कि सरकार और पुलिस को कमजोर पीड़ितों विशेषकर बुजुर्गों की सुरक्षा और मुआवजे के लिए कदम उठाने चाहिए।

पुणे जमीन घोटाला : एनसीपी नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत, जांच समिति ने दी क्लीन चिट

मुंबई। पुणे की चर्चित जमीन खरीद मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत मिली है। समिति ने पार्थ पवार को क्लीन चिट देते हुए दो सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खरगे की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने पाया कि जमीन सौदे में पार्थ पवार की सीधी अनियमितता साबित नहीं होती, हालांकि सौदे की प्रक्रिया में शामिल दो अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। रिपोर्ट में हवेली के तहसीलदार सूर्यकांत येवले और असिस्टेंट रजिस्ट्रार रविंद्र तारू के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। दोनों अधिकारियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है और वे फिलहाल जेल में हैं। यह जमीन पुणे के मुंढवा इलाके में स्थित है, जिसे अजित पवार और सुनेत्रा पवार के पुत्र पार्थ पवार की 'अमेडिया' कंपनी ने खरीदा था। आरोप था कि करीब 1800 करोड़ रुपए बाजार मूल्य वाली जमीन मात्र 300 करोड़ रुपए में खरीदी गई और 21 करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी भी माफ कर दी गई। मामला सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

विवाद बढ़ने पर तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस सौदे को रद्द करने की घोषणा की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्तृत जांच के आदेश दिए थे। अब जांच रिपोर्ट राजस्व मंत्री को सौंप दी गई है और जल्द ही इसे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

लगभग 1800 करोड़ रुपए मूल्य की महार वतन जमीन को 300 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के आरोपों की जांच कर रही समिति ने अपनी रिपोर्ट सोमवार को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को सौंप दी।

रिपोर्ट सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस छिड़ गई है। जहां पार्थ पवार को मिली राहत को उनके समर्थक बड़ी जीत मान रहे हैं, वहीं विपक्ष का कहना है कि मामले में कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। आने वाले दिनों में सरकार की कार्रवाई और रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को स्वीकृति, 543 विकास कार्यों को मंजूरी

सरगुजा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनजातीय समाज का सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कोरिया जिले के बैकुंठपुर में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में सरगुजा संभाग के जिलों में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर नई योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सरगुजा और बस्तर क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता में रखा है।प्राधिकरण के माध्यम से पिछड़े एवं वनांचल क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, जनजातीय समाज के सशक्तिकरण और क्षेत्र की समृद्धि के लिए सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और सभी के सहयोग से इस क्षेत्र को प्रगति के नए शिखर पर पहुंचाया जाएगा।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्राधिकरण हेतु 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की गई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर 543 विकास कार्यों के लिए 4905.58 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई, जबकि वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 606 कार्यों को भी औपचारिक अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा लंबित कार्यों को मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सोनहत विकासखंड में विद्युतीकरण का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कुम्हार के चाक पर गढ़ा दीया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का एक आत्मीय और सहज रूप उस समय देखने को मिला, जब उन्होंने कुम्हार के चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और कलश गढ़कर पारंपरिक शिल्प के प्रति सम्मान और जुड़ाव का सशक्त संदेश दिया। अवसर था सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक का, जिसमें शामिल होने वे कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर पहुंचे थे। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक के साथ परिसर में स्व-सहायता समूहों एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इसी प्रदर्शनी में सोनहत विकासखंड निवासी शिल्पकार श्री देवी दयाल प्रजापति इलेक्ट्रिक चाक पर मिट्टी से दीया और कलश बनाने का सजीव प्रदर्शन कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय उनके स्टॉल पर पहुंचे और कुछ देर तक उनकी शिल्पकला का बारीकी से अवलोकन किया। कला के प्रति उत्सुकता बढ़ने पर मुख्यमंत्री ने स्वयं चाक पर हाथ आजमाने की इच्छा व्यक्त की। शिल्पकार की सहमति से उन्होंने घूमते हुए चाक पर रखी गीली मिट्टी को हाथों से साधा और देखते ही देखते उसे सुंदर दीये का आकार दे दिया। मुख्यमंत्री की सहज कुशलता देखकर स्वयं शिल्पकार भी आश्चर्यचकित रह गए, वहीं उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस क्षण का स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान शिल्पकार देवी दयाल प्रजापति से उनके व्यवसाय, आय और परिवार की जानकारी ली तथा उन्हें शासन की विभिन्न स्वरोजगार एवं कारीगर हितैषी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक शिल्प, कारीगरों और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि स्थानीय कला और हुनर को नई पहचान और बाजार मिल सके।

धुरंधर 2 शूटिंग में नियम तोड़ने पर बीएससी सख्त, बी62 स्टूडियोज को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश

मुंबई (एजेंसी)। आदित्य धर की मोस्टअवेटेड स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर-द रिवेंज (धुरंधर 2) की शूटिंग के दौरान सुरक्षा नियमों के बार-बार उल्लंघन के आरोप में बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। आदित्य धर की प्रोडक्शन कंपनी बी62 स्टूडियोज को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की गई है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया है, लेकिन प्रस्ताव को आगे की कार्रवाई के लिए मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए बीएमसी के ए-वार्ड कार्यालय ने डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर (डीएमसी) को पत्र लिखकर स्टूडियो पर राज्य के सिंगल-विंडो फिल्मिंग पोर्टल के माध्यम से शूटिंग पर स्थायी रोक लगाने का प्रस्ताव दिया है।

आरोप हैं कि धुरंधर 2 की शूटिंग के दौरान कई बार नियम तोड़े गए। जानकारी के अनुसार, हाई-सिक्योरिटी जोन में जलती हुई मशालों का इस्तेमाल किया गया, जिसे गंभीर सुरक्षा चूक माना गया। मुंबई पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और उपकरण जब्त कर लिए गए। इसके अलावा, क्रू मेंबर्स ने बिना अनुमति लोकेशन बदली और एक इमारत की छत पर शूटिंग की, जहां के लिए नगर निगम की जरूरी परमिशन नहीं ली गई थी। इसके अलावा, सेट पर खाना बनाने के लिए गैस का इस्तेमाल और दो जेनरेटर वैन चलाने का भी आरोप है, जिनके लिए स्थानीय प्रशासन से वैध मंजूरी नहीं थी।

बीएमसी ने पहले ही प्रोडक्शन की 25 हजार रुपए की सिक्योरिटी डिपॉजिट जब्त कर ली है और अतिरिक्त 1 लाख का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव रखा है।

डीयू में प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक, एक महीने तक नो नारेबाजी; आदेश को लेकर विरोध शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय(डीयू) परिसर में एक महीने के लिए किसी भी तरह की सार्वजनिक सभा, जुलूस और प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार ने छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और स्टाफको सूचित करने के लिए आदेश जारी किया है। इस आदेश को मंगलवार से ही लागू कर दिया गया है।

प्रो. मनोज कुमार के अनुसार यह आदेश इस जानकारी के आधार पर जारी किया गया है कि डीयू परिसर में बिना रोक-टोक के सार्वजनिक समारोहों, जुलूस या प्रदर्शन से ट्रैफिक में रुकावट, इंसानी जान को खतरा और जनशांति भंग हो सकती है। पहले भी आयोजक अक्सर ऐसे छात्र विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। जिससे विश्वविद्यालय परिसर में कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है।

डीयू ने पुलिस के आदेश का दिया हवाला

प्रॉक्टर ने आदेश में सब डिविजन सिविल लाइंस के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस के 26 दिसंबर 2025 वाले आदेश का हवाला दिया है। जिसमें गृह मंत्रालय की अधिसूचना का विवरण दिया गया है। इसमें विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी सार्वजनिक सभा, रैली, धरने प्रदर्शन, आंदोलन और किसी भी ऐसी गतिविधि पर रोक के आदेश है जिससे आम लोगों की शांति और यातायात की आवाजाही प्रभावित हो।

डीयू के आदेश को लेकर शिक्षकों और छात्रों ने विरोध दर्ज कराया है। डीयू कार्यकारी परिषद के सदस्य मिथुराज धुसिया ने कहा कि यह आदेश लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। यह सच है कि सरकार, विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों की गलत नीतियों के खिलाफसभी विरोध प्रदर्शन और आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण होने चाहिए और यह सुनिश्चित करना विश्वविद्यालय का कर्तव्य है। हालांकि, विश्वविद्यालय में यातायात अवरोध आदि के बहाने विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों पर रोक लगाना बिलकुल भी स्वीकार्य नहीं है।

साध्वी प्रेम बाईसा कांड : कंपाउंडर देवी सिंह पर गिरी गाज

जोधपुर (एजेंसी)। साध्वी प्रेम बाईसा मौत मामले में अब पुलिस ने अपना शिकंजा कस दिया है। एसआईटी की गहन जांच और एफएसएल व पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले खौफनाक सबूतों के बाद बोरानाडा थाना पुलिस ने आरोपी कंपाउंडर देवी सिंह राजपुरोहित के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि आरोपी की गिरफ्तारी अब महज कुछ घंटों का इंतजार है। लापरवाही नहीं, ये जानलेवा उतावलापन है जांच में यह कड़वा सच सामने आया है कि साध्वी की मौत के पीछे नर्सिंग कर्मी का घोर उतावलापन, लापरवाही और असावधानी जिम्मेदार थी। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यदि प्रक्रियाओं का पालन किया गया होता तो साध्वी की जान बचाई जा सकती थी। आरोपी पर दर्ज धाराओं के तहत उसे दो साल तक की कैद हो सकती है। पुलिस सूत्रों की मानें तो गिरफ्तारी के बाद कई और रसूखदार चेहरों से नकाब उतर सकता है।

इधर, नर्सिंग कर्मी पर एफआईआर दर्ज होते ही राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ने बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। नर्सेज का कहना है कि प्रशासन अपनी कमियां छिपाने के लिए एक नर्सिंग कर्मी को बलि का बकरा बना रहा है।

तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बने :1 हिंदू और 1 बौद्ध समेत 49 मंत्री बने

स्पीकर ओम बिरला भी मौजूद रहे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में क्ष्हक्क अध्यक्ष तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में तारिक को पीएम पद की शपथ दिलाई। इस समारोह में भारत के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी मौजूद रहे।

तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले आज दोपहर में क्ष्हक्क के सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। 17 साल तक लंदन में रहने के बाद वह दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे।

रहमान के अलावा 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई है। इनमें एक हिंदू मंत्री निताई रॉय चौधरी और एक बौद्ध मंत्री दिपेन देवान चकमा भी शामिल है। 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं। सभी 24 राज्य मंत्री नए हैं।

पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 299 में से 209 सीटें जीतकर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया था। इसके अलावा 3 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियों ने जीत हासिल की।

राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने तारिक रहमान को प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई। बाद में दोनों ने हाथ मिलाया। तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद हस्ताक्षर किए। शपथ ग्रहण में स्पीकर ओम बिरला, बांग्लादेश के पूर्व चीफएडवाइजर मोहम्मद यूनुस समेत दुनियाभर के कई नेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण में स्पीकर ओम बिरला, बांग्लादेश के पूर्व चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस समेत दुनियाभर के कई नेता मौजूद रहे। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मंत्रिमंडल के सदस्यों को शपथ दिलाई।

ओम बिरला ने तारिक रहमान से मुलाकात की

भारत के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने तारिक रहमान से मुलाकात की। उन्होंने नई सरकार बनने पर भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं। यह मुलाकात ढाका में नई सरकार के शपथ लेने के तुरंत बाद हुई। बैठक के दौरान ओम बिरला ने तारिक रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया।

दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के सीईओ भारतीय-मैक्रों

भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलिकॉप्टर बनाएगा :फ्रांस स्पेशल पार्टनर-मोदी

मुंबई (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलिकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा।

मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है।

'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे। इससे पहले दोनों देशों के बीच संबंध 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल के थे। यह पार्टनरशिप साल 1998 में शुरू हुई थी।

इसके बाद मैक्रों ने इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फेरम को संबोधित करते हुए कहा दुनिया के कई बड़ी कपनियों के ष्टश्वह्र भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, द्धक्क्रू, एडोबी और पालो आल्टो नेटवर्क्स के ष्टश्वह्र भारतीय हैं। अब भारत लीडरशिप करने वाला देश बन गया है।

मोदी और मैक्रों ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा-एयरबस की एच25 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर की लास्ट असेंबली लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन किया। असेंबली लाइन वो जगह है जहां हेलिकॉप्टर का ढांचा, इंजन, पंखे, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम अलग-अलग स्टेज में जोड़े जाते हैं। यहीं पूरा हेलिकॉप्टर तैयार होता है।

मोदी और मैक्रों ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा-एयरबस की ॥125 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर की लास्ट असेंबली लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन किया। असेंबली लाइन वो जगह है जहां हेलिकॉप्टर का ढांचा, इंजन, पंखे, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम अलग-अलग स्टेज में जोड़े जाते हैं। यहीं पूरा हेलिकॉप्टर तैयार होता है। पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुंबई के लोक भवन में मुलाकात की। इमैनुएल मैक्रों ने मुंबई में अनिल कपूर और मनोज बाजपेयी समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज से मुलाकात भी की।

भारत और फ्रांस के बीच 1998 से रणनीतिक साझेदारी है और दोनों देश रक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साथ काम करते हैं। यह दौरा भी इसी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

राष्ट्रपति बनने के बाद चौथी बार भारत पहुंचे मैक्रों

राष्ट्रपति बनने के बाद मैक्रों का यह चौथा भारत दौरा है। इससे पहले वे मार्च 2018 में पहली बार भारत आए थे। इसके बाद वे सितंबर 2023 में ळ20 समिट के लिए और जनवरी 2024 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनकर आए थे।

मैक्रों बोले- हम 'मेक इन इंडिया' के भरोसेमंद साथी

इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फेरम में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि डिफेंस सेक्टर में फ्रांस, 'मेक इन इंडिया' का भरोसेमंद साथी है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर नए जमाने के इंजन, मल्टी-रोल हेलिकॉप्टर, मॉर्डन फाइटर जेट्स और पनडुब्बियां बनाने पर काम कर रहे हैं। मैक्रों ने कहा कि यह सिर्फ रक्षा सौदों तक सीमित बात नहीं है, बल्कि यह दो बड़े देशों की मजबूत साझेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस जमीन, समुद्र और आसमान हर सेक्टर में अपनी इच्छा और भरोसे के साथ एक-दूसरे के साथ खड़े हैं।

जेल से बाहर आए राजपाल यादव

बचपन से लेकर 55 तक देश का बच्चा-बच्चा मेरे साथ रहा- राजपाल यादव

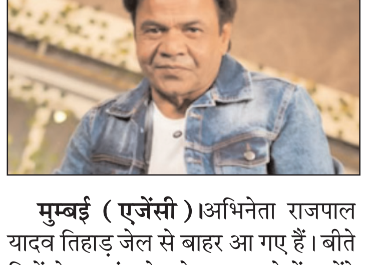

मुम्बई (एजेंसी)। अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। बीते दिनों चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्होंने तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। अब उन्हें हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। अभिनेता जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने मुश्किल वक्त में साथ देने वालों का और अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया।

राजपाल बोले- 'धन्यवाद हाई कोर्ट'

राजपाल यादव ने कहा, 'मैं 2027 में मुंबई में बॉलीवुड में 30 साल पूरे कर लूंगा। पूरे देश के लोग, बच्चे, बूढ़े और जवान, मेरे साथ हैं। जिस तरह से पूरे देश और दुनिया ने, मेरे बॉलीवुड ने, मुझे प्यार दिया है, अगर मेरे खिलाफकोई आरोप हैं, तो मैं जवाब देने के लिए तैयार हूं। धन्यवाद, हाई कोर्ट'। एक्टर ने कहा कि कोई लीगल जानकारी लेनी हो तो आप हमारे वकील साहब से पूछ सकते हैं। पिछले 10 साल में माननीय हाईकोर्ट ने जहां-जहां जो आदेश दिए हैं, मैं हाजिर मिला हूं। आगे भी मैं हाजिर मिलूंगा। एक्टर के मुताबिक, 'मुझ पर अगर कोई भी आरोप है तो मैं हर जगह उपलब्ध हूं। हाई कोर्ट का धन्यवाद। मुझे सुनने का मौका दिया'। बता दें कि राजपाल ने 05 फरवरी 2026 को तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। अब रिहाई के बाद वे न सिर्फ भतीजी की शादी में शामिल हो सकेंगे, बल्कि होली का त्योहार भी अपने घर मना सकेंगे।

बता दें कि आज मंगलवार को कड़कड़डूमा कोर्ट ने एक्टर के लिए रिलीज वारंट जारी किया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अभिनेता के वकील ने बताया कि कड़कड़डूमा कोर्ट ने तिहाड़ जेल से उनके लिए रिलीज वारंट जारी किया है। वकील ने बताया कि राजपाल यादव को चेक बाउंस केस में हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। बता दें कि सोमवार को राजपाल यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता को 18 मार्च तक के लिए जमानत दी।

खबर-खास

अटल डिजिटल सेवा केन्द्र का शुभारंभ

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत चुनकटटा में अटल डिजिटल सेवा केन्द्र का शुभारंभ ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमति रोशनी सोनु राय, उपसरपंच अजय सिंह राजपूत, पंच छत्रपाल सिंह राजपूत, रीना मानिकपुरी एवं ग्राम पंचायत के सचिव युगलकिशोर ठाकुर के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में ग्रामीणजन पंचगण उपस्थित रहे। अटल डिजिटल सेवा केन्द्र खुलने से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।

जामगांव एम में आयुर्वेदिक औषधि इकाई से निकल रहा गंदा पानी, किसानों और राइस मिल संचालकों में चिंता

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा जामगांव एम में स्थापित आयुर्वेदिक औषधि निर्माण इकाई में उत्पादन कार्य शुरू हो गया है। हालांकि इकाई से निकलने वाले अपशिष्ट जल को लेकर आसपास के किसानों और स्थानीय व्यवसायियों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों के अनुसार, इकाई का गंदा पानी नाले में बहाया जा रहा है, जिससे खेतों और भूजल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि नाले के माध्यम से यह पानी खेतों तक पहुंच रहा है, जिससे फसलों को नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। किसानों की मांग पर इकाई के पास ही एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाया गया है और उसे शुरू करने की बात कही जा रही है। बावजूद इसके, ग्रामीणों का आरोप है कि उपचार संयंत्र चालू होने के बाद भी कुछ मात्रा में अपशिष्ट जल सीधे नाले में छोड़ा जा रहा है।

पास स्थित एक राइस मिल संचालक ने बताया कि उनके बोरवेल के पानी में भी गंदगी आ रही है, जिससे पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। जानकारी के अनुसार, कुछ माह पहले राइस मिल में कार्यरत एक मजदूर गंदा पानी पीने के कारण पीलिया की चपेट में आ गया था। ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से मामले की जांच कर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है, ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

आँगनबाड़ी केंद्र सांकरा में मनाया गया वजन त्यौहार, 36 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

जामगांव एम (समय दर्शन)। एकीकृत बाल विकास परियोजना जामगांव एम अंतर्गत आँगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 01 सांकरा में वजन त्यौहार का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की सी.एस. लाल मैडम विशेष रूप से उपस्थित रहीं। वजन त्यौहार के दौरान आँगनबाड़ी केंद्र में दर्ज कुल 36 बच्चों का वजन एवं ऊँचाई मापकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में सभी बच्चे सुपोषित पाए गए। इस अवसर पर सभी अभिभावकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर बच्चों के बेहतर पोषण स्तर के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू, परियोजना अधिकारी यमुनेश पांडे, सरपंच रवि सिंगौर, पंच तुलाराम सिंगौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर की नियमित निगरानी एवं समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना रहा। आयोजन को लेकर पालकों एवं ग्रामीणों में उत्साह देखा गया।

जिला स्तरीय जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज

बेमेतरा (समय दर्शन)। श्रम मंत्री छत्तीसगढ़, शासन श्रम विभाग के द्वारा दिनांक 12 फरवरी 2026 को श्रम विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान 05 जिलो में विभाग द्वारा जनसंवाद /श्रमिक सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया गया। उक्त संबंध मे दिनांक 18 फरवरी 2026 को जिला पंचायत बेमेतरा के प्रांगण में जिला स्तरीय जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल एवं असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत श्रमिको से जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन के माध्यम से श्रमिक के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की राशि का भुगतान एवं श्रमिकों को योजना के संबंध में जानकारी प्रदान किया जावेगा।

पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के दिए सख्त निर्देश

जनहित के मामलों में लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। इस दौरान सभी एसडीएम एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे 7 बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि लंबित प्रकरणों के निराकरण में निर्धारित समयावधि का कड़ाई से पालन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की खानापूर्ति न की जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों का निपटारा केवल औपचारिकता न हो, बल्कि प्रत्येक आवेदन का पारदर्शी, तथ्यात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकृत करें।

बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित आवेदनों, शिकायतों एवं पत्राचार की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने उन फाइलों और आवेदनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए जो लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण न करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनहित के कार्यों में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उत्तरदायित्व तय करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए पूछा कि आम नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गई है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का फीडबैक आवेदक तक पहुंचे तथा समाधान की जानकारी स्पष्ट रूप से दर्ज की जाए। जन शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने विशेष रूप से निम्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जिसमे आयुष्मान कार्ड निर्माण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन वितरण), जल जीवन मिशन, अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में शिक्षा गुणवत्ता को मिला सम्मान

कलेक्टर ने डीईओ को प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया उत्साहवर्धन किया

सारंगढ़-बिलाईगढ़(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. संजय कुमार कन्नौजे द्वारा आयोजित समय-सीमा बैठक में जिले की शिक्षा गुणवत्ता में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे.आर. डहरिया को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने बैठक के दौरान डहरिया के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने अधिक ऊर्जा, समर्पण और सेवाभाव के साथ शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी का उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी श्री डहरिया को बधाई दी। जिले में शिक्षा गुणवत्ता सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को लेकर यह सम्मान हर्ष का विषय माना जा रहा है। जिलेवासियों ने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में और भी नवाचार एवं उपलब्धियां हासिल होंगी।

तरेकेला आश्रम बचाओ, नारों के साथ भारी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बसना (समय दर्शन)। ग्राम तरेकेला के लगभग 80 ग्रामीणों ने आश्रम की दान भूमि को निजी भूमि घोषित किए जाने के विरोध में मंगलवार दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा। आश्रम बचाओ नारों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर आश्रम को बचाने की बात कलेक्टर से की एवं आवेदन सौंपे। ग्रामीणों का आरोप है कि आश्रम को पूर्व में श्रद्धालुओं एवं दानदाताओं द्वारा दी गई भूमि को निजी भूमि के रूप में दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है, जिसका वे कड़ा विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह भूमि वर्षों से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए उपयोग में लाई जा रही है और इसे निजी घोषित करना धार्मिक जनभावनाओं के साथ अन्याय है।

ग्रामीण सामूहिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की। ज्ञापन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि दान की जमीन को निजी भूमि में परिवर्तित करना गलत है तथा इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। कलेक्टर श्री लगेंह ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते हुए कहा कि आश्रम आस्था का प्रतीक है, लोगों की श्रद्धा से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्रम के महंत लखन मुनि साहेब से भी चर्चा कर निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। इस संबंध में स्थानीय विधायक संपत अग्रवाल ने भी कहा कि आश्रम क्षेत्र की आस्था का केंद्र है और श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर उचित निर्णय लेने की बात कही।

ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य त्रिलोचन नायक (लुंगी वाले बाबा), ग्रामीण प्रेमसागर पटेल, दानदाता परिवार से लक्ष्मी परेश्वर (पूर्व जनपद सदस्य), ऊदल सिदार, नेपाल सिंह पटेल, मोतीलाल पटेल, चक्रधर पटेल, बिहारी पोर्टे, लाल सिंह परेश्वर, लाल सिंह सिदार, मकरध्वज परेश्वर, सोनसाय खूंटे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि दान भूमि को निजी घोषित करने की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई गई तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। फिलहाल प्रशासन की जांच और आगामी कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों की नजरें टिकी हुई हैं।

जप्त धान का भौतिक सत्यापन सहित समय सीमा में धान उठाव सुनिश्चित करें - कलेक्टर लंगेह

धान उठाव की समीक्षा, लगभग 50 प्रतिशत धान का उठाव किया गया

अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति और ई-फाइलिंग पर जोर दिया गया

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं आगामी आयोजनों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), विभागीय जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा वीसी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री लंगेह ने धान उठाव की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन उपार्जन केंद्रों में डीईओ के विरुद्ध धान का उठाव लंबित है, वहाँ प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र उठाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने तथा धान खरीदी पूर्णतः प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जप्त किए गए धान स्टॉक का भौतिक सत्यापन में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। जप्ती के अनुरूप धान का मिलान करें। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसी तरह समितियों में स्टेक का भी सत्यापन सुनिश्चित करें। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर कुल 10 लाख 19 हजार 568 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। 17 फरवरी की स्थिति में कुल 7 लाख 57 हजार 411 मीट्रिक टन धान के लिए डीओ जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध अब तक 5 लाख 11 हजार 538 मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है बैठक में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीईसी एवं एल्बेंडाजोल दवा का वितरण एवं सेवन निर्धारित समय-सारणी एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाए तथा दवा सेवन स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में कराया जाए। उन्होंने कहा कि केवल वितरण ही पर्याप्त नहीं बल्कि उसका सेवन भी आवश्यक है। कलेक्टर ने वजन त्यौहार की समीक्षा करते हुए कहा कि वजन त्यौहार में प्राप्त आंकड़ों का सही एंट्री कराना सुनिश्चित करें। इससे 0 से 5 वर्ष के बच्चों के पोषण का सही आंकलन करने में मदद मिलती है। बैठक में आधार बेस्ड उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य रूप से पालन करने कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कर्मचारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे कार्यालय में उपस्थित रहें। उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को मंगलवार और बुधवार को कार्यालय में रहने के निर्देश दिए है। ई-ऑफिस प्रणाली को लेकर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी फाइलों का मूवमेंट ई-फाइल के माध्यम से ही किया जाए, यह अनिवार्य है।

निम्बू लाइन में अव्यवस्था पर निगम की सख्ती, प्रभारी शेखर चन्द्राकर पहुँचे नाप-जोख करने

दुर्ग। दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत पुराना सिटी कोतवाली के पीछे स्थित निम्बू लाइन क्षेत्र में सड़क किनारे अवैध रूप से पसरा एवं ठेला लगाकर व्यवसाय करने वालों के विरुद्ध निगम प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। बाजार एवं राजस्व प्रभारी शेखर चन्द्राकर के नेतृत्व में बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, शशिकांत यादव तथा ईश्वर वर्मा की टीम स्वयं मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने टेप के माध्यम से सड़क किनारे दुकान लगाने वाले व्यवसायियों के लिए निर्धारित स्थान की नाप-जोख कर व्यवस्थित रूप से चिन्हांकन किया।

इस दौरान पसरा दुकानों के लिए निर्धारित जगह के आकार को सुव्यवस्थित एवं सीमित किया गया, ताकि सड़क मार्ग बाधित न हो और आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रभारी श्री चन्द्राकर ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि कोई दुकानदार निर्धारित लाइन के बाहर दुकान लगाते पाया जाता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा।

हरिनाम जप ही मोक्ष का सरल मार्ग : प्रकाश सिन्हा

अष्टप्रहरी हरिनाम यज्ञ के दौरान सभापति ने सुनीं समस्याएँ, शीघ्र समाधान का आश्वासन

बसना (समय दर्शन)। जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कायतपाली में आयोजित अष्टप्रहरी संकीर्तन हरिनाम यज्ञ कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुपम संगम बनकर सामने आया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं क्षेत्र क्रमांक 21 अंकोरी के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भोग-भंडारे में सहभागिता करते हुए ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट-मुलाकात की। विभिन्न कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत हरिनाम संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

सभापति श्री सिन्हा ने कहा कि अष्टप्रहरी संकीर्तन हमारी सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है। हरे राम, हरे कृष्ण महामंत्र का सामूहिक जाप मन और आत्मा को शांति प्रदान करता है तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि भक्ति के साथ सेवा का भाव ही सच्चा धर्म है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास, पेयजल एवं सड़क संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। श्री सिन्हा ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र निराकरण कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ग्राम की सरपंच सुश्री गीता यादव, उपसरपंच मोहरसाय डडसेना, सोसायटी अध्यक्ष मुरलीधर नायक, परदेसी यादव, महेंद्र प्रधान, परमित सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

परीक्षा अवधि में रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र वर्जित

बोर्ड परीक्षा को लेकर एसडीएम ने ली डीजे एवं धुमाल संचालकों की बैठक

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में बोर्ड एवं स्थानीय परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज ने डीजे एवं धुमाल संचालकों की बैठक ली। बैठक में परीक्षा अवधि के दौरान जिले में शांति एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि परीक्षा अवधि के दौरान रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र (डी.जे.) का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन द्वारा जारी निर्देशों एवं कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित कराया जाए। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के साउंड सिस्टम या ध्वनि विस्तारक उपकरण के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

49 लाख की लागत से सड़क डामरीकरण, पुलिस लाइन क्षेत्र को मिलेगी बड़ी राहत

डामरीकरण से क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की मिलेगी सुविधा

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत ठगड़ा बांध वार्ड क्रमांक 48 पुलिस लाइन मेन गेट के सामने से लेकर फुटबॉल ग्राउंड तक 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत 49 लाख रुपये की लागत से सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही पुलिस लाइन क्षेत्र में 7.95 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया गया। निर्माण कार्य का शुभारंभ महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

महत्वपूर्ण मार्ग पर डामरीकरण कार्य प्रारंभ होने से पुलिस लाइन क्षेत्र सहित आसपास के नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। लंबे समय से सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कार्य स्वीकृत किया गया है।

7.95 लाख से पेवर ब्लॉक निर्माण, क्षेत्र होगा व्यवस्थित

पुलिस लाइन क्षेत्र में 7.95 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा। महापौर ने मौके पर पहुंचकर कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया।

कार्य शुभारंभ के अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, वार्ड पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, सरिता चंद्रकार, गुलशन साहू, यूवराज कुंजाम, मनोज सोनी, मंडल अध्यक्ष हरीश चौहान, संभव जैन, सहायक अभियंता राजेन्द्र धबाले, उपअभियंता करण यादव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि पुलिस लाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सड़क एवं पेवर ब्लॉक निर्माण अत्यंत आवश्यक है, जिससे आमजन को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्ता के अनुरूप उनकी निगरानी में ही पूर्ण कराया जाए, ताकि नागरिकों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।

महापौर ने कहा कि नगर पालिक निगम दुर्ग शहर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। नागरिकों की सुविधा सर्वोपरि है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने झुमका जलाशय में बोटिंग और वाटर स्पोर्ट सुविधाओं का किया अवलोकन, ओपन थिएटर का किया लोकार्पण

पर्यटन स्थलों के विकास और सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध — मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बैकुंठपुर स्थित प्रसिद्ध झुमका पर्यटन स्थल में निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने झुमका जलाशय में बोटिंग करते हुए क्षेत्र के मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया तथा यहां विकसित की गई पर्यटन सुविधाओं का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने झुमका जलाशय में शिकारा पर सवार होकर नौका विहार किया। चारों ओर हरियाली, शांत जलराशि और कमल के फूलों से सजा यह रमणीय स्थल अब एक आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां बोटिंग, वाटर स्पोर्ट्स सहित विकसित पर्यटन गतिविधियों की जानकारी ली और व्यवस्थाओं की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 27 लाख रुपए की लागत से निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया।500 दर्शकों की बैठक क्षमता वाला यह ओपन थिएटर सांस्कृतिक आयोजनों के लिए नया केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि झुमका जलाशय केवल कोरिया जिले की पहचान ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के विकास, सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थापित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटकों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए तथा स्थानीय युवाओं को पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े, संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा, आईजी श्री दीपक झा, कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक के दौरान प्रदर्शनी में दिखा माटी से जुड़ाव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का एक आत्मीय और सहज रूप उस समय देखने को मिला, जब उन्होंने कुम्हार के चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और कलश गढ़कर पारंपरिक शिल्प के प्रति सम्मान और जुड़ाव का सशक्त संदेश दिया। अवसर था सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक का, जिसमें शामिल होने वे कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर पहुंचे थे। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक के साथ परिसर में स्व-सहायता समूहों एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इसी प्रदर्शनी में सोनहत विकासखंड निवासी शिल्पकार श्री देवी दयाल प्रजापति इलेक्ट्रिक चाक पर मिट्टी से दीया और कलश बनाने का सजीव प्रदर्शन कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय उनके स्टॉल पर पहुंचे और कुछ देर तक उनकी शिल्पकला का बारीकी से अवलोकन किया। कला के प्रति उत्सुकता बढ़ने पर मुख्यमंत्री ने स्वयं चाक पर हाथ आजमाने की इच्छा व्यक्त की। शिल्पकार की सहमति से उन्होंने घूमते हुए चाक पर रखी गीली मिट्टी को हाथों से साधा और देखते ही देखते उसे सुंदर दीये का आकार दे दिया। मुख्यमंत्री की सहज कुशलता देखकर स्वयं शिल्पकार भी आश्चर्यचकित रह गए, वहीं उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस क्षण का स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान शिल्पकार देवी दयाल प्रजापति से उनके व्यवसाय, आय और परिवार की जानकारी ली तथा उन्हें शासन की विभिन्न स्वरोजगार एवं कारीगर हितैषी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक शिल्प, कारीगरों और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि स्थानीय कला और हुनर को नई पहचान और बाजार मिल सके। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े, कलेक्टर श्री चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री रविकुमार कुर्रे सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

भारत माता वाहिनी योजना से मजबूत हुआ नशामुक्ति जनआंदोलन

रायपुर। प्रदेश में नशामुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरण एवं सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित भारत माता वाहिनी योजना के तहत प्रभावी पहल की जा रही है। राज्य के प्रत्येक विकासखण्ड में 8-सदस्यीय संरचना के साथ कुल 3154 भारत माता वाहिनी समूहों का गठन किया गया है, जो गांव-गांव में नशामुक्ति के संदेश का प्रसार कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत स्तर पर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा नशामुक्ति के समर्थन में रैली, प्रभात फेरी, जनजागरूकता अभियान, नशा छोड़ने का संकल्प एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक सामाजिक वातावरण निर्मित हुआ है तथा युवाओं में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

राज्य के 25 जिलों में स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से 26 नशामुक्ति केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों में अब तक 4379 नशा पीड़ित व्यक्तियों को उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। केंद्रों में चिकित्सकीय परामर्श, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, योग एवं अनुशासित दिनचर्या के माध्यम से प्रभावित व्यक्तियों को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित किया जा रहा है।

जिला बलरामपुर इस अभियान का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। यहां सक्रिय भारत माता वाहिनी समूहों द्वारा सतत जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। साथ ही जिले में संचालित नशामुक्ति केंद्र के माध्यम से अब तक लगभग 478 नशा पीड़ित व्यक्तियों को उपचार एवं पुनर्वास का लाभ प्रदान किया गया है, जिससे वे पुन: समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जुड़ सके हैं।

उल्लेखनीय है कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करता है। इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा जनभागीदारी आधारित मॉडल को अपनाकर नशामुक्ति अभियान को सशक्त रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। भारत माता वाहिनी योजना के माध्यम से प्रदेश को नशामुक्त, स्वस्थ एवं जागरूक समाज की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

सुदूर अंचलों के श्रद्धालुओं को मिला अयोध्या धाम का सौभाग्य, मुख्यमंत्री ने कहा — यही जनसेवा की प्रेरणा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान झुमका जलाशय परिसर में ‘श्री रामलला दर्शन योजना’ के तहत अयोध्या धाम की पावन यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं का हाल-चाल जाना और उनके आध्यात्मिक एवं भक्तिमय अनुभवों को बड़े ध्यानपूर्वक सुना। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से उन्हें नि:शुल्क अयोध्या धाम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सम्मानपूर्वक यात्रा की समुचित व्यवस्था किए जाने से यह यात्रा उनके लिए अत्यंत सहज और अविस्मरणीय बन गई।

श्रद्धालुओं ने बताया कि अपने सुदूर गांवों से अयोध्या तक पहुँचना उनके लिए पहले कठिन था, किंतु सरकार की पहल ने इसे संभव कर दिया। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री साय को ‘हमारे राम’ तैलचित्र भेंट कर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम छत्तीसगढ़ के भांचा हैं और प्रदेशवासियों को उनके दर्शन कराना शासन के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि सुदूर अंचलों में रहने वाले लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना ही जनसेवा की वास्तविक संतुष्टि है, और सरकार इसी भावना के साथ कार्य कर रही है।

एसके रायपुर मैराथन 1 मार्च को: फिटनेस के साथ सामाजिक जागरूकता की बड़ी पहल

रायपुर: 1 मार्च की सुबह रायपुर की सड़कों पर दौड़ते कदम केवल फिटनेस का उत्सव नहीं मनाएंगे, बल्कि एक सुरक्षित, स्वच्छ और जागरूक समाज के निर्माण का संदेश भी देंगे। संकृति युवा संस्था और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईईएमआर) द्वारा एस के फाइनेंस के सहयोग से आयोजित होने वाली एसके रायपुर मैराथन इस बार फिटनेस के साथ सामाजिक सरोकारों को जोड़ने का सशक्त प्रयास है। यह आयोजन शहरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने का मंच प्रदान करेगा।

तीन कैटेगरी में होगी रन- एसके रायपुर मैराथन को तीन श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा 21 किलोमीटर (हाफमैराथन), 10 किलोमीटर रन और 3 किलोमीटर फन रन। इन तीनों कैटेगरी के माध्यम से विभिन्न आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के प्रतिभागियों को अपनी क्षमता के अनुसार भाग लेने का अवसर मिलेगा। आयोजन समिति का उद्देश्य है कि पेशेवर धावकों से लेकर आम नागरिक तक, हर कोई इस उत्सव का हिस्सा बन सके।

सामाजिक उद्देश्य- मैराथन इस वर्ष तीन प्रमुख सामाजिक अभियानों को समर्पित है: ड्रग फ्री रायपुर, साइबर सिक्योरिटी जागरूकता और स्वच्छ एवं स्वस्थ रायपुर। इस पहल के जरिए युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा, डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा और स्वच्छता व स्वास्थ्य को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी जाएगी।

आयोजक मुकेश मिश्रा ने कहा: एसके रायपुर मैराथन का आयोजन शहरवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए किया जा रहा है अत: सभी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस जनअभियान का हिस्सा बनें। मैराथन के रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं इच्छुक लोग एसके रायपुर मैराथन की वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। 3 किमी के लिए रजिस्ट्रेशन फ्री है।

अंत में उन्होंने कहा कि एसके रायपुर मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि शहर की सामूहिक चेतना को जागृत करने का अभियान है। यह पहल युवाओं, परिवारों और संस्थानों को एक मंच पर लाकर स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देगी। 1 मार्च को रायपुर एक बार फिर ऊर्जा, उत्साह और संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा जहां हर कदम फिटनेस के साथ एक बेहतर, सुरक्षित और स्वच्छ शहर के निर्माण की दिशा में उठेगा।

हिमालया बेबीकेयर ने पैकेजिंग में किया बदलाव, अगले पांच वर्षों में 500 टन प्लास्टिक कम करने का लक्ष्य

रायपुर:- भारत के सबसे विश्वसनीय बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर, जिसे शिशु पसंद करते हैं और माता-पिता के लिए भरोसेमंद है, ने अपनी संपूर्ण जेंटल बेबी केयर रेंज में एक नया पैकेजिंग डिज़ाइन पेश किया है, जो इसकी सतत विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई पैकेजिंग में बेहतर उपयोगिता, सोच-समझकर की गई डिजाइन और पर्यावरण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता पर ध्यान दिया गया है, जो प्लास्टिक कचरे को कम करने और सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिए हिमालया बेबीकेयर द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। अपने सस्टेनेबिलिटी रोडमैप के अनुसार ब्रांड की पुन:डिज़ाइन की गई पैकेजिंग से अगले पांच साल में 500 टन प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने का लक्ष्य है जिससे सालाना लगभग 100 टन की खपत में कमी का अनुमान है। यह पहल उन माता-पिता के बीच बढ़ते बदलाव को भी दर्शाती है जो रोजमर्रा के विकल्पों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के लिए अधिक सजग हो रहे हैं और ऐसे टिकाऊ उत्पादों की तलाश कर रहे हैं जो उनके बच्चों के लिए अधिक जिम्मेदार भविष्य के अनुरूप हों। नई पैकेजिंग के लॉन्च को एक दमदार डिजिटल फिल्म का सहयोग प्राप्त है जो माता-पिता की एक साझा चिंता को उजागर करती है - वह भविष्य जो हमारे बच्चे विरासत में पाएंगे। अभिभावकों की एक बैठक में फिल्माई गई यह फिल्म प्लास्टिक कचरे के बढ़ते बोझ और इसके दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में एक विचारोत्तेजक बातचीत से शुरू होती है। आगे जो बताया गया है वह एक ईमानदार, सहज बातचीत है जो आज के अभिभावकों के इस विश्वास को दर्शाता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल दैनिक देखभाल तक सीमित नहीं है और इसमें उनके आसपास की दुनिया के लिए हमारे द्वारा किए जाने वाले विकल्प भी शामिल हैं। इस कहानी के माध्यम से, हिमालया बेबीकेयर इस बात पर जोर देता है कि सोच-समझकर की गई पैकेजिंग में प्लास्टिक की कमी जैसे सजग कदम सामूहिक रूप से अगली पीढ़ी के लिए स्वच्छ, संवेदनशील और टिकाऊ भविष्य के निर्माण में सहायक हो सकते हैं। इस बदलाव के पीछे की सोच पर टिप्पणी करते हुए, हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक श्री एनवी चक्रवर्ती ने कहा, हिमालया बेबीकेयर में, हमारी जिम्मेदारी आज के शिशुओं के लिए कोमल और सुरक्षित उत्पाद बनाने से कहीं अधिक है। हमारे हर निर्णय के पीछे यह विश्वास है कि शिशु प्रकृति के सर्वोत्तम पोषण के हकदार है, वहीं प्रकृति की देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

श्रमिक जन संवाद/श्रमिक सम्मेलन का हुआ आयोजन

रायपुर। श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा की अध्यक्षता में ऑडिटोरियम जांजगीर में आज श्रमिक जन संवाद/श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियो को विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 1 करोड़ 37 लाख 2 हजार 294 रुपये की राशि वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा ने कहा कि श्रमिकों को शासन की योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवाद कार्यक्रमों से श्रमिकों में जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं से लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन श्रमिकों को योजनाओं से सीधे जोडने और संवाद स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, श्री नंदकुमार चौधरी, श्री विकास शर्मा, श्री पंकज अग्रवाल, श्री अनिल शर्मा, श्री हितेश यादव, श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती इंद्रावती जांगड़े, श्री संजय शर्मा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और श्रमिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ का बजट 24 फरवरी को होगा पेश, वित्त मंत्री बोले- नई थीम और नए विजन के साथ आएगा बजट

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का 23 जनवरी से बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी 24 जनवरी को सदन के पटल पर अपनी सरकार के तीसरे बजट को पेश करेंगे। आगामी बजट सत्र को लेकर मंत्री ओपी ने बताया कि यह उनकी सरकार का तीसरा बजट होगा, जो नई थीम और नए विजन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। मंत्री ने कहा, बजट की रणनीति 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप तैयार की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम होगा। 2047 के लॉन्ग टर्म प्लान और शॉर्ट टर्म प्लानिंग के तहत बजट में स्पष्ट रोडमैप देखने को मिलेगा।

अब कक्षा 5वीं- 8वीं का कोई भी छात्र नहीं होगा फेल, असफल होने पर भी मिलेगा दोबारा मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 5वीं- 8वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी हो गया है। 5वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा 16 मार्च से शुरू होगी, जबकि 8वीं कक्षा की परीक्षा 17 मार्च से आयोजित की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा को लेकर स्पष्ट किया है कि, इस साल किसी भी बच्चे को फेल नहीं किया जाएगा। विभाग के फैसले के मुताबिक यदि कोई छात्र मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाता है, तो उसे सप्लीमेंट्री परीक्षा का मौका दिया जाएगा। इतना ही नहीं उसमें भी सफल नहीं होने पर छात्र को अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा।

16 मार्च से 5वीं, 17 मार्च से 8वीं की परीक्षा

इस साल घोषित समय-सारणी के अनुसार 5वीं की परीक्षा 16 मार्च से और 8वीं की 17 मार्च से शुरू होगी। बता दें कि छत्तीसगढ़ में इसी सत्र से पांचवी और आठवीं की केंद्रीकृत परीक्षा आयोजित की जाएगी। साय कैबिनेट के फैसले के बाद कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा लेने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा निर्देश दिया था। इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी किया गया है।

नई आबकारी नीति में राहत: बार लाइसेंस सस्ता, होटल-रेस्टोरेंट कारोबार को बढ़ावा

रायपुर। विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश की नई आबकारी नीति में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए होटल, रेस्टोरेंट और क्लब संचालकों को बड़ी राहत दी है। सरकार के इस फैसले से राज्य में बार खोलना अब पहले की तुलना में काफी सस्ता हो जाएगा, जिससे नए निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नई नीति के तहत 7 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में संचालित होने वाले FL-2 (क) और FL-3 (क) श्रेणी के बार के लिए लाइसेंस शुल्क में उल्लेखनीय कमी की गई है। पहले जहां इसके लिए 24 लाख रुपये शुल्क देना पड़ता था, वहीं अब इसे घटाकर 18 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे कारोबारियों को करीब 6 लाख रुपये की सीधी बचत होगी। सरकार ने केवल लाइसेंस फीस में ही राहत नहीं दी है, बल्कि अनिवार्य बैंक गारंटी की राशि को भी कम किया है। इससे नए व्यवसाय शुरू करने वाले उद्यमियों पर शुरुआती वित्तीय दबाव कम होगा और निवेश के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा, थ्री-स्टार और उससे अधिक श्रेणी के होटलों को भी इस नई नीति का लाभ मिलेगा। इन होटलों के लिए लाइसेंस फीस में रियायत देकर पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को मजबूती देने का प्रयास किया गया है।

होली के लिए बाजार सजे, होली चार मार्च को

रायपुर। इस बार होली मार्च के प्रथम सप्ताह को पड़ रही है। होलिका दहन तीन मार्च को होगा और रंगोत्सव 4 मार्च को प्रदेशवासियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। होली को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के चिल्हर दुकानदार रंग गुलाल अबीर, पिचकारी गोल बाजार बंजारी रोड से लेते दिखाई दिया। मालवीय रोड बंजारी रोड, गोल बाजार सहित क्षेत्रिय बाजार जैसे पुरानी बस्ती, टिकरापारा, रामसागर पारा, गुढ़ियारी, रामनगर, टाटीबंध, दलदल सिवनी मोवा सड्डू सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग होली की तैयारी के लिए खरीददारी करते दिखे। पिचकारी में इस बार लेटेस्ट मॉडल आए है। छोटे बच्चों के लिए रंग बिरंगी आकर्षक पिचकारियां बिकने के लिए आई है। इसी तरह दुकानदार भी होली की तैयारी के लिए अपनी अपनी दुकानें सजाना शुरू कर दिये है।

संपादकीय

परमाणु विनाश का खतरा

परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत 1970 के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है। पांच दशक में ऐसी स्थिति पहली बार आई है, जब दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा टालने की किसी संधि का अस्तित्व नहीं है। चार फरवरी को अमेरिका और रूस के बीच मौजूद न्यू स्टार्ट (स्ट्रेटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) की अवधि समाप्त हो गई। रूस ने अमेरिका से नई संधि होने तक न्यू स्टार्ट की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया। इस तरह अमेरिका और रूस अब असीमित संख्या में परमाणु हथियारों की तैनाती के लिए स्वतंत्र हैं। 2010 में हुई न्यू स्टार्ट के तहत दोनों देशों ने अधिकतम 1550 परमाणु अस्त्रों की तैनाती की सीमा तय की थी। साथ ही प्रावधान था कि दोनों देश एक दूसरे की तैनाती के ठिकानों या अन्य परमाणु ठिकानों का निरीक्षण कर सकेंगे। इसके तहत अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों और पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती की संख्या भी तय थी। परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत 1970 के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका की दलील है कि चीन उसके लिए खतरा बन कर उभर रहा है, जो उपरोक्त संधि में शामिल नहीं था। चीन का कहना है कि उसके पास मौजूद परमाणु हथियार अमेरिका और रूस से बहुत कम हैं, इसलिए उसे इस विवाद में नहीं घसीटा जाना चाहिए। एक आकलन के मुताबिक अमेरिका के पास कुल 3,700, रूस के पास 4,309 और चीन के पास लगभग 600 परमाणु हथियार हैं। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने गोल्डेन डोम परियोजना पर काम शुरू किया है। यह मिसाइल रक्षा कार्यक्रम है। रूस और चीन का कहना है कि इसका निर्माण होने के बाद सामरिक समीकरण बदल जाएंगे। उसे देखते हुए उन्हें अपने परमाणु अस्त्रागार और मजबूत करने होंगे। दलील यह भी है कि गोल्डेन डोम न्यू स्टार्ट की भावना का उल्लंघन है। इस तरह सभी महाशक्तियों ने तर्क ढूंढ लिए हैं, जिसके परिणास्वरूप दुनिया पर परमाणु विनाश का खतरा और सघन हो गया है।

सेल बड़ी छलांग की ओर : बेहतर वित्तीय सूझबूझ से 200 लाख टन बिक्री का तय किया नया लक्ष्य

भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक इस्पात कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), भविष्य के लिए एक नई और मजबूत योजना पर काम कर रही है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारना और बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। सेल का सबसे बड़ा लक्ष्य अपने ऋण को कम करना है। इससे कंपनी के पास भविष्य के बड़े निवेशों के लिए ज्यादा पैसा और आजादी होगी। कंपनी अपनी उत्पादन लागत को कम करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने पर ध्यान दे रही है ताकि मुनाफा बढ़ाया जा सके। सेल अपनी पहुंच बढ़ा रही है ताकि देश में स्टील की बढ़ती मांग का फायदा उठाया जा सके। कंपनी ने अपनी इस तरक्की को मापने के लिए एक लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जहां बिक्री 179 लाख टन रही, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर के लिए 200 लाख टन का लक्ष्य तय किया गया है। वित्तीय सूझबुझ और दूरदर्शिता की यह गूंज वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान की अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान भी सुनाई दी, जहां निदेशक (वित्त) एवं निदेशक वाणिज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. ए.के. पंडा ने कंपनी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि ऋण में कटौती काफी महत्वपूर्ण रही है, जिसमें अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि के दौरान ?5,000 करोड़ का ऋण चुकता किया गया है। पिछले साल 31 दिसंबर, 2025 तक ऋण ?24,852 करोड़ था, जिसके बाद जनवरी 2026 में ?2,000 करोड़ की और कमी आई। इस अनुशासित ऋण कटौती ने वित्त लागत को कम किया है और विकास निवेशों के लिए अवसर पैदा किए हैं। डॉ. पंडा ने बताया, परिचालन दक्षता, इन्वेंट्री लिक्विडेशन, लागत अनुकूलन और मजबूत ट्रेजरी प्रबंधन इत्यादि ने मिलकर बेहतर वित्तीय प्रबंधन को संभव बनाया है। कंपनी की रणनीति ने पहले ही परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। कंपनी की सक्रिय मार्केटिंग पहलों और खुदरा एवं नए ग्राहक समूहों के साथ गहरे जुड़ाव के कारण वित्त वर्ष 2025-26 की नौ महीने की अवधि (अप्रैल25 - दिसंबर25) में बिक्री की मात्रा में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस प्रयास ने अप्रैल 25 - जनवरी 26 के बीच कुल बिक्री को 16.6 मिलियन टन तक पहुँचा दिया, साथ ही महत्वपूर्ण इन्वेंट्री परिसमापन को भी सक्षम बनाया। सेल ने इन-प्रोसेस और तैयार स्टील स्टॉक दोनों को कम करके, सेल ने नकदी प्रवाह को बढ़ाया है और कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को कम किया, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई। कंपनी लागत कम करने के लिए ऑपरेशनल लिवर्स को भी तेज किया जा रहा है। सालाना मैनपावर में कमी से प्रति टन कार्मिक लागत दक्षता में लगातार सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, सेल अनुपालन की जरूरतों के साथ-साथ लागत कम करने के लिए भी अधिक नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे ऊर्जा व्यय में संरचनात्मक बचत हो रही है। ये उपाय प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करते हुए कंपनी के व्यापक स्थिरता एजेंडे के साथ मेल खाते हैं। कंपनी के भविष्य के विज़न पर सेल के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक वाणिज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. ए.के. पंडा ने कहा: कंपनी कर्ज कम करके, इन्वेंट्री की अधिक कुशलता से प्रबंधन करके और केंद्रित मार्केटिंग पहलों के मध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार करके, विस्तारीकरण की तैयारी के साथ-साथ अपनी नींव को मजबूत कर रहा है। बढ़ती मांग, एक मजबूत कैपेक्स पाइपलाइन और स्थिरता व ग्रीन स्टील के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता के साथ, हम वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 200 लाख टन की बिक्री हासिल करने और आने वाले वर्षों में और भी ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के प्रति आश्वस्त हैं - जो आज की ताकत को कल के अवसर में बदल देगा।

शुरु से ही विवादों में घिरे रहे हैं लोकसभा अध्यक्ष बिरला

योगेंद्र योगी

देश में संसद की गरिमा में गिरावट जारी है। लोकसभा स्पीकर जैसा गरिमामय और संवैधानिक पद विवादास्पद बना हुआ है। लगभग समूचा विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफबांहे चढ़ाए हुए है। बिरला पर विपक्ष लंबे समय से पक्षपात करने का आरोप लगाता आ रहा है। स्पीकर बिरला पर विपक्षी सदस्य लगातार उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन और सत्तापक्ष की खुलेआम पैरवी करने का आरोप लगाते रहे हैं। इस बार भी मुद्दा यही है। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। हालांकि, गणित और इतिहास को देखें तो उन्हें हटाना बेहद मुश्किल है, लेकिन यह कदम आने वाले दिनों में संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कड़वाहट को और बढ़ा सकता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सदन में भाषण होना था। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया उनके आग्रह पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में उपस्थित नहीं हुए। ओम बिरला ने कहा कि मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य प्रधानमंत्री के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। अगर यह घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय होता, जो देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देती। ओम बिरला के इस दावे पर विपक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यह पूरी तरह झूठ है, पीएम को चोट पहुंचाने का सवाल ही नहीं था।

जून 2024 में दूसरी बार लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद भी ओम बिरला पर आरोप लगा था कि वो विपक्षी सांसदों को बोलने का मौक़ा नहीं दे रहे हैं। तब भी ओम बिरला पर ये आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं कि वो सत्ता के इशारे पर काम करते हैं जबकि स्पीकर का पद संवैधानिक पद है। जून 2024 में ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब नीट परीक्षाओं के मुद्दे पर बोलने को खड़े हुए तो वो स्पीकर ओम बिरला से माइक देने (ऑन करने) की बात कहते सुनाई दिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ज़रूरी मुद्दों पर माइक छीनकर युवाओं की आवाज़ को दबाया जा रहा है। हालांकि ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा में माइक बंद नहीं करता हूं, यहां कोई बटन नहीं होता है।

ये पहला मौक़ा नहीं है जब विपक्ष और ओम बिरला के बीच तनातनी देखी गई। इससे पहले भी ओम बिरला विवादों में रह चुके हैं और उन पर विपक्ष सत्ता पक्ष की तरफ़ झुके रहने का आरोप लगा चुका है। संसद के शीतकालीन सत्र 2023 के दौरान 141 सांसदों को निलंबित किया गया था। इनमें 95 लोकसभा और 46 राज्यसभा सांसद शामिल थे। इससे पहले इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का निलंबन नहीं हुआ था। इस निलंबन को अभूतपूर्व कहा गया था। इससे पहले 15 मार्च, 1989 को लोकसभा से 63 सांसदों को निकाला गया था। संसद में सुरक्षा चूक को लेकर सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे, जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई थी।

भारतीय संविधान में स्पीकर के पद को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि वे बिना किसी डर या पक्षपात के काम कर सकें। अनुच्छेद 94 (ष) के तहत उन्हें हटाने की प्रक्रिया कुछ इस प्रकार है। प्रस्ताव लाने से कम से कम 14 दिन पहले इसकी लिखित सूचना देनी होती है। स्पीकर को हटाने के लिए सदन के तत्कालीन कुल सदस्यों के बहुमत की आवश्यकता होती है। अर्थात उस समय जितने सदस्य पद पर हैं, उनमें से 50त्न से अधिक का समर्थन जरूरी है। जब प्रस्ताव पर चर्चा होती है, तब स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते, हालांकि वे सदन में मौजूद रह सकते हैं और वोट डाल सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 96 के तहत अध्यक्ष को अपना बचाव करने का भी अधिकार दिया गया है।

आजाद भारत के इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम आए हैं, जब लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव लाया गया हो, लेकिन जब भी लाया गया तब विपक्ष ने संसदीय राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत के पहले लोकसभा स्पीकर जी.वी. मावलंकर के खिलाफ 18 दिसंबर 1954 को पहला अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसे विग्नेश्वर मिश्रा और अन्य विपक्षी नेताओं ने पेश किया था। उस समय नेहरू युग था और विपक्ष का तर्क था कि स्पीकर सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं। हालांकि, भारी बहस के बाद यह प्रस्ताव गिर गया और मावलंकर अपने पद पर बने रहे। तीसरी लोकसभा के दौरान स्पीकर हुकुम सिंह पर भी पक्षपात के आरोप लगे। समाजवादी नेता मधु लिमये द्वारा ये प्रस्ताव लाया गया था। वह दौर राजनीतिक रूप से बहुत उथल-पुथल वाला था। विपक्ष ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए, लेकिन संख्या बल न होने के कारण यह प्रस्ताव भी सफल नहीं हो सका। आठवीं लोकसभा के दौरान बलराम जाखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश हुई। इसे सीपीएम के सांसद सोमनाथ चटजी ने पेश किया था। उस समय बोफोर्स जैसे मुद्दों पर सदन में भारी गतिरोध था। लेकिन कांग्रेस के पास भारी बहुमत होने के कारण विपक्ष का यह प्रयास महज एक प्रतीकात्मक विरोध बनकर रह गया। अक्सर विपक्ष ऐसे प्रस्ताव केवल अपनी नाराजगी दर्ज कराने और जनता का ध्यान खींचने के लिए लाता है। स्पीकर हमेशा सत्ता पक्ष या गठबंधन का होता है जिसके पास बहुमत होता है। जब तक सरकार के पास नंबर हैं, स्पीकर को हटाना नामुमकिन जैसा है।

लीडर वह होता है जो लोगों को अपनी बात समझा सके

हाल में बच्चों ने पीएम से पूछा था कि आप इतने सालों से देश संभाल रहे हैं,देश के लीडर हैं,आप नई पीढ़ी से एक लीडर के रूप में कौन से गुण की अपेक्षा रखते हैं।पीएम मोदी ने बच्चों को सरल भाषा में बताया था कि लीडर का मतलब चुनाव लड़ना,पार्टी बनाना,पार्टी में जाना,लच्छेदार भाषण करना नहीं होता।लीडरशिप के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि आप लोगों को अपनी बात समझा सको।अपनी बात लोगों पर थोपनी नहीं है,समझानी है,आप अपनी बात लोगों को तब ही समझा सकते हो जब आप उस बात को अच्छे से समझते हों। यदि आप जो कह रहे हैं,वह आप ही नहीं समझते हैं तो लोगों को नहीं समझा सकते।आप किसी बात को समझते हैं तो ही लोगों को समझा सकते हैं। अपनी बात लोगों को समझाने के लिए भाषा का सरल होना जरूरी है। जब भाषा सरल नहीं होती है तो लीडर क्या कह रहा है यह जनता को समझ में नहीं आता है। कहने को तो राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बड़े लीड़र है, वह संसद में नेता प्रतिपक्ष भी हैं लेकिन पीएम मोदी के एक बार बच्चों को समझाने पर यह बात समझ में आ गई कि लीडर की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो सरल हो और लोगों को समझ आ सके। राहुल गांधी के बारे में पता नहीं कितने लोगों ने कहा है कि उनकी भाषा ऐसी है कि वह क्या कहना चाहते हैं लोगों को समझ में नहीं आती है लेकिन न तो कांग्रेस नेता यह नेता मानते है कि राहुल गांधी की भाषा में कोई खराबी है और न ही राहुल गांधी को यह बात समझ में आती है वह लोगों से जो कुछ कहते हैं, वह लोगों को समझ में क्यों नहीं आता है। वह लोगों को अपनी बात समझा क्यों नहीं पाते हैं। इससे राहुल गांधी को नुकसान हो रहा है और कांग्रेस को भी राजनीतिक रूप से नुकसान हो रहा है। राहुल गांधी कहना कुछ चाहते हैं और कह कुछ और जाते हैं, इसके कारण कई बार उनके खिलाफ एफ्आईआर हो चुकी है,सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी है। राहुल गांधी ने पहले तो बजट सत्र में बजट पर कुछ कहने की जगह एक किताब की कुछ लाइने पढ़ने को अड़े रहे।इससे संसद में कुछ दिन तक हंगामा होता रहा।अब जब राहुल गांधी ने बजट व भारत अमरीका अंतरिम व्यापार समझौते पर कुछ कहा है तो उसे लेकर भी बवाल हो गया है क्योंकि वह फिर ऐसा बहुत कुछ कह गए हैं कि उसे उचित नहीं माना जा रहा है। अपनी बात को कहने के लिए उन्होंने जिन शब्दों का प्रयोग किया है,वह अपनी बात दूसरे शब्दों में कह सकते थे लेकिन कहा नही। उन्होंने कहा अंतरिम व्यापार समझौते में मोदी सरकार ने देश को बेच दिया है।भारत माता को बेच दिया है। अमरीका के सामने सरेंडर कर दिया है,यह बात तो वाकई तर्कसंगत नहीं है कि कोई देश को कैसे बेच सकता है, कोई भारत माता को कैसे बेच सकता है। इससे तो कई तरह के सवाल लोगों के मन में उठ सकते हैं.क्या देश सरकार की निजी संपत्ति है, क्या भारत माता किसी सरकार की निजी संपत्ति है। इसके बाद और भी सवाल पैदा होते हैं यदि किसी ने देश को बेच दिया है, भारत माता को बेच दिया है तो उसकी कीमत क्या है। बदले में कितने पैसे मिले हैं, देश व भारत माता को खरीदा किसने है। जो पैसा मिला है वह किसे दिया गया है।इन सारे सवालों के जबाब राहुल गांधी को देना चाहिए। यदि वह इन सवालों के जवाब नहीं देते हैं तो माना यही जाएगा कि राहुल गांधी ने झूठ कहा है सरकार ने देश को बेच दिया है, सरकार ने भारत माता को बेच दिया है।यह माना जाएगा कि राहुलगांधी जो कुछ कहना चाहते है, वह कह नहीं पाए हैं और जो कहा है वह गलत है, झूठ है। राहुल गांधी अक्सर जो कुछ कहते है वह झूठ व गलत माना जाता है तो इसलिए कि उनकी भाषा लोगों को समझ में नहीं आती है और वह अपनी बात को सही साबित करने के लिए कोई सबूत आज तक नही दे पाए हैं। राहुल गांधी कुछ कहते वक्त यह भूल जाते हैं कि वह जो कुछ कहने जा रहे है, वह कहेंगे तो कांग्रेस की बरसों सत्ता में रहने के दौरान हुई गलतियों को भी सामने लाया जाएगा और बताया जाएगा कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं,वह काम तो कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए किया है।सेना अधिकारी की किताब के मामले में ऐसा हुआ.एक किताब के जवाब में कई किताबें सामने आ गईं।देश बेचने के जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश को बताया कि विश्व व्यापार संगठन की 2013 को बाली में हुई बैठक में कांग्रेस ने हस्ताक्षर कर सरेंडर किया था।इससे हुआ क्या था, देश में किसानों के अनाज की सरकारी खरीद नहीं हो पाती थी, गरीब लोगों को राशन दुकान से अनाज नहीं मिल पाता था।पीएम मोदी इस गलती को सुधारा तब आज किसानों के धान की खरीदी हो रही है तथा गरीबों को राशन दुकानों से अनाज मिल रहा है।

नई परतों की नई सुर्खियों में ट्रंप बैचेन

हरिशंकर व्यास

चाहे तो इसे पतनगामी पूंजीवाद का मकड़जाल कहें या अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष का कालजयी सत्व-तत्व! मनुष्य आदिकाल से पैसे (पॉवर, अर्थ) और सेक्स (काम-भोग) की वासना में जन्म-जन्मांतर चक्र में खपा चला आ रहा है। इसी से धर्म व मोक्ष के फलसफ़े गढ़े। बावजूद इसके ताजा सुर्खियां चौंकाने वाली है। पहली बार सेक्स-पॉवर की धुरी का वैश्विक तानाबाना खुला है। आज जेफ़री एपस्टीन दुनिया का नंबर एक चर्चित चेहरा है। पहली बार अदालती दस्तावेज़ों से सत्ता, पूंजी और यौन-शोषण का इतना गहरा और पसरा नेटवर्क उभरा है।

एपस्टीन सिर्फ फ़ाइनेंसर, यौन अपराधी और मानव तस्कर नहीं था। वह उस नेटवर्क का रचयिता था, जो राष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री, राजकुमार, खरबपति और वैश्विक प्रभावशाली कुलीनों, एलिट की भूख का सप्लायर था। वह संपर्कों, यात्राओं और संवादों से वह सब करता हुआ था जो आमतौर पर देशों की राजधानियों में सिमटे सत्ता-दलालों का पैमाना रहा है। पहली बार मालूम हुआ कि अमेरिका यदि दुनिया को नचाता है तो अमेरिकी दलाल भी दुनिया को नचाते हैं। इनकी वह वैश्विक, बहुराष्ट्रीय मंडी है, जिससे तमाम देशों के नेताओं की भूख पूरी होती है। और यह महज़ अफ़वाह या खोजी पत्रकारिता की सनसनी नहीं है, बल्कि अदालतों और जांच एजेंसियों के दस्तावेज़ों से उद्घाटित है।

सो, एपस्टीन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उस व्यवस्था, उस भूख का प्रतीक है, जिसमें पैसा, प्रभाव और वासना एक-दूसरे को पोषित करते हैं। एपस्टीन इस तंत्र का केंद्रीय संचालक था। और वह अपराधी भी करार हुआ। जेल में ही उसने आत्महत्या की।

शुक्रवार को अमेरिका के न्यायिक विभाग ने 35 लाख से अधिक पेज और हजारों फ़ोटो और वीडियो सार्वजनिक किए। सब जेफ़री एपस्टीन और उसकी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के सेक्स-रैकेट नेटवर्क की जांच से जुड़े हैं। इन दस्तावेज़ों में इलेक्ट्रॉनिक संदेश, फ़्लाइट लॉग, बैंक रिकॉर्ड आदि शामिल हैं। और उसके कारण अमेरिका में सर्वाधिक फ़ोकस में राष्ट्रपति ट्रंप लगातार हैं। उनके एपस्टीन के साथ रिश्तों का तानाबाना और खुला है।

शायद इसी कारण अमेरिकी न्याय विभाग ने सभी दस्तावेज़ जारी नहीं किए। उसने खुद बताया है कि और भी दस्तावेज़ फ़ाइलों में हैं, मगर उन्हें जारी नहीं किया जाएगा। यदि अमेरिका की संसद अपने कानूनी अधिकारों से जस्टिस विभाग को मजबूर नहीं करती, तो शुक्रवार के दस्तावेज़ भी सार्वजनिक नहीं होते। इसलिए आगे ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ेंगी। जस्टिस विभाग ने ट्रंप या उन जैसी वैश्विक हस्तियों को बचाने के लिए दस्तावेज़ों के महत्वपूर्ण अंश, जैसे गवाहों के बयानों पर काली स्याही पोतकर उन्हें पब्लिक से ओझल किया।

मतलब नाबालिग या कम उम्र की यौन पीड़िता ने गवाही में अपना जो बयान दर्ज कराया, उसके पूरे पेज को काली स्याही से पोत दिया। इस तरह स्याही से नाम, गवाही सब मिटा दिए गए। मतलब नेटवर्क के उजागर हुए कोई बीस-पच्चीस दलालों, सप्लायरों में किसने क्या किया और यौन-शोषण की शिकार महिलाओं ने क्या बयान दिए, सब काली स्याही में छुपाकर जस्टिस विभाग ने दस्तावेज़ जारी किए हैं।

सो, अमेरिकी कांग्रेस और खासकर डेमोक्रेट सांसदों ने न्यायिक विभाग पर आरोप लगाया है कि पहले तो उसने कानूनी समयसीमा की पालना नहीं की। फिर फ़ाइलों को पूरी और बिना काले अक्षरों (ह्वठ्ठह्म्द्गस्रड्डष्ह्लद्गस्र) के रूप में जारी नहीं किया, ताकि पावरफुल लोगों की पहचान दबी रहे। उस नाते कह सकते हैं कि कहानी तो अभी शुरू हुई है।

अमेरिकी मीडिया में यह बहस चली हुई है कि फ़ाइलों के सार्वजनिक किए जाने के बावजूद कितने लाख काग़ज़, फ़ोटो, वीडियो न्यायिक विभाग ने दबाए हुए हैं? कितनी सच्चाई और गवाही सामने आई है और कितनी छिपी हुई है?

ईमेल दस्तावेज़ों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम बार-बार है। इन्हें ट्रंप ने डेमोक्रेट नेताओं की साज़िश कहकर ख़ारिज किया है। ताज़ा दस्तावेज़ों के हाई-प्रोफ़ाइल व्यक्तियों में बिल गेट्स, ट्रंप के वाणिज्य मंत्री, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर, इलॉन मस्क आदि कई नाम हैं।

निश्चित ही ज़िक्र से यह निष्कर्ष नहीं निकलता है कि ये सभी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे, मगर यह भी तथ्य है कि भंडाफोड़ होने के ख़तरे के चलते ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने पहले ही पदवी छोड़ दी। एपस्टीन द्वारा प्रिंस को भेजी गई यौन शोषण की शिकार महिला ने कहा है कि उन्हें पूर्व प्रिंस के साथ सेक्स के लिए ब्रिटेन भेजा गया था। इस महिला के वकील ने एपस्टीन के वैश्विक नेटवर्क की शिकार दो सौ से ज़्यादा यौन पीड़िताओं के मामले देख रहे हैं। उन्होंने वर्जीनिया जियुफ़्रे का भी केस लड़ा, जिसका आरोप था कि सन् 2001 में, जब वह 17 साल की थीं, तब उन्हें लंदन लाया गया ताकि वह पूर्व प्रिंस की भूख पूरी कर सकें।

जेफ़री एपस्टीन को सबसे पहले 2008 में फ़्लोरिडा में 14 साल की लड़की से सेक्स के लिए उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसने अपनी सज़ा जुलाई 2010 में पूरी की। बीबीसी के अनुसार, एपस्टीन ने तब कई महिलाओं को व्यावसायिक उड़ानों और अपने निजी जेट्स के ज़रिए ब्रिटेन पहुंचाया था।

सो, जेफ़री एपस्टीन का कारनामा, वैश्विक नेटवर्क का ही नहीं है। इस कहानी के और भी पहलू है। अमेरिकी मीडिया में कहा जा रहा है कि इज़राइल की ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद की बदौलत एपस्टीन का साम्राज्य बना। अमेरिका में यहूदी ताक़त का वह एक प्रतिनिधि चेहरा था। इसलिए पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय राजनीति, ईरान बनाम सऊदी अरब की भू-राजनीति से लेकर मालदीव के राष्ट्रपति द्वारा चुनाव के लिए एपस्टीन से गुहार, आदि के ऐसे असंख्य क़िस्से हैं, जिससे मालूम होता है कि दुनिया वैसे ही चलती हुई है जैसे भारत में लुटियन दिल्ली के नेटवर्क रहे है।

बावजूद एपस्टीन ने सालों तक जितना बड़ा यौन तस्करी नेटवर्क चलाया है तथा वह देशों/शक्तिशाली व्यक्तियों से लगातार जुड़ा रहा, वह भूमंडलीकृत दुनिया से विकसित अजूबा था। ख़ासकर इसलिए कि वैश्विक मीडिया की सक्रियता के बावजूद कभी किसी को भनक नहीं लगी। एपस्टीन मूलत: पूंजीपति फ़ाइनेंसर था। वित्तीय करियर में उसने अमीर, शक्तिशाली और प्रसिद्ध लोगों के साथ सेक्स के ज़रिए वैश्विक सामाजिक नेटवर्क बनाया। 2008 में उसे कम उम्र की लड़कियों के साथ यौन गतिविधि के लिए अदालत ने दोषी ठहराया था। बावजूद इसके वह रूका, थमा नहीं। जेल से छूटने के बाद उसने रुतबा बनाया। 2019 में वह फ़ेडरल नाबालिग यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ। अदालत फ़ैसला सुनाने ही वाली थी कि उसने 2019 में जेल में आत्महत्या की।

कैसा अजब मामला है जो अमेरिका की व्यवस्था यानी अदालत, संसद, मीडिया आदि से इस वैश्विक नेटवर्क की परतें तब खुलती हुई हैं, जब ट्रंप का पहला कार्यकाल था; या अब दूसरा कार्यकाल है। मेरा मानना है कि नई परतों की नई सुर्खियों ने ट्रंप को बैचेन तो किया होगा। तभी जिस दिन न्यायिक विभाग ने दस्तावेज़ सार्वजनिक किए, उसी दिन ध्यान बंटाने के लिए अमेरिकी पत्रकारिता का एक जाना-माना पत्रकार एक बेहूदा मामले में गिरफ्तार हुआ। सो, संभव है कि राष्ट्रपति ट्रंप नई सुर्खियों के लिए अचानक ईरान पर निशाना साधकर अपने सूरमा होने की नई सुर्खी बनाने की कोशिश करें।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वनस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वहीं पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्त्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यतः पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्त्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्त्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

बिना डॉक्टर से सलाह लिए....

रोज नहीं ... खाएं अण्डे

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्टेमिना नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं।

जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां, जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

मौसम करे बीमार, रसोई ... करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं।

जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

संक्षिप्त समाचार

चीन में लूनर न्यू ईयर से पहले पटाखों की दुकान में विस्फोट, 8 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। पूर्वी चीन में लूनर (न्यू ईयर) से ठीक पहले पटाखों की दुकान में हुए विस्फोट और

आग में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 अन्य लोग मामूली रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। यह धमाका रविवार दोपहर जिआंगसू प्रांत के डोंगहाई काउंटी के एक गांव में हुआ। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, एक निवासी ने दुकान के पास गलत तरीके से पटाखे जलाए, जिससे विस्फोट हो गया। घटना के कारणों की जांच जारी है। सरकार के बयान में कहा गया कि दुकान के आसपास पटाखों को जलाना बैन है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लापरवाही से पटाखे जलाने के कारण आग भड़की और फिर विस्फोट हुआ। चीन में लूनर न्यू ईयर में पटाखे जलाना परंपरा का हिस्सा है। इसे बुरी शक्तियों को दूर भगाने का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में वायु प्रदूषण और सुरक्षा कारणों से कई शहरों में पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले साल कुछ स्थानीय सरकारों ने इन प्रतिबंधों में ढील दी थी, जिससे बाजार में पटाखों की बिक्री बढ़ी। रविवार की घटना के बाद आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों से पटाखों के उत्पादन, परिवहन, बिक्री और उपयोग की निगरानी कड़ी करने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि दुकानों के आसपास पटाखे जलाने पर सख्ती से रोक लगाई जाए और स्थानीय प्रशासन जोखिम वाले जगहों की पहचान करे, ताकि लोग सुरक्षित तरीके से त्यौहार मना सके। सुरक्षा चेतावनी जारी इस धमाके के बाद आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को आग, पटाखों की बिक्री, उत्पादन, परिवहन और उपयोग की निगरानी बढ़ाने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने कहा कि दुकानों के आसपास पटाखों का परीक्षण पूरी तरह से प्रतिबंधित होना चाहिए और स्थानीय सरकारों से कहा कि वे सुरक्षा की कमजोरियों को पहचान कर उन्हें दूर करें ताकि जनता सुरक्षित, मंगलमय और खुशहाल स्प्रिंग फेस्टिवल मना सके। गौरतलब है कि चीन में लूनर न्यू ईयर की रात को पटाखे जलाना एक प्राचीन परंपरा है। हाल के वर्षों में कई जगहों पर प्रदूषण को रोकने और सुरक्षा कारणों से पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि, पिछले साल कुछ सरकारों ने प्रतिबंधों में ढील देते हुए पटाखों को कुछ क्षेत्रों में वापस अनुमति दी थी। इस वर्ष लूनर न्यू ईयर मंगलवार को मनाया जाएगा और यह चीनी ज्योतिष के अनुसार घोड़े के वर्ष की शुरुआत करेगा।

जमात-ए-इस्लामी के अमीर से मिले तारिक रहमान

ढाका, एजेंसी। ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के प्रमुख तारिक रहमान ने जमात–ए–इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान से मुलाकात कर चुनाव बाद हिंसा पर कार्रवाई का भरोसा दिया। 13वें संसदीय चुनाव में बीएनपी गठबंधन को 300 में से 212 सीटें मिलीं, जबकि जमात 77 सीटों के साथ प्रमुख विपक्ष बनकर उभरी। जमात ने कहा कि वह राष्ट्रीय हित में सहयोग करेगी, पर सरकार से जवाबदेही भी सुनिश्चित करेगी। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री पद संभालने की तैयारी के बीच यह मुलाकात राजनीतिक संतुलन का संकेत मानी जा रही है। पाकिस्तान के झेलम में पुलिस ने इस्लामिक स्कॉलर इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा पर हमले के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। घटना उनके कुरआन–ओ–सुन्नत रिसर्च अकादमी में हुई, जहां आरोपी ने कथित रूप से गला दबाने और पगड़ी उतारने की कोशिश की। पुलिस ने पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 324 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया। मिर्जा पहले भी हमलों और ईशनिंदा आरोपों का सामना कर चुके हैं तथा 2021 में उन पर जानलेवा हमला हुआ था। वह यूट्यूब पर लोकप्रिय धार्मिक व्याख्यानों के लिए जाने जाते हैं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के बाद कहा कि वायु रक्षा के लिए मिसाइलें सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने अमेरिका और जर्मनी का समर्थन के लिए आभार जताया तथा जर्मनी के साथ संयुक्त ड्रोन उत्पादन लाइन शुरू होने की जानकारी दी।

चीन ने पहाड़ खोदकर बना डाले परमाणु ठिकाने

तस्वीरों में सामने आया ड्रैगन का खतरनाक इरादा, चीन की नई चाल का सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक जियोस्पेशल की सैटलाइट तस्वीरों में चीन के खतरनाक इरादों का खुलासा हुआ है। चीन पहाड़ खोदकर परमाणु ठिकाने बना रहा है। कई मशीनें ऐक्टिव भी हो गई हैं।

चीन के सिचुआन की कुछ सैटलाइट तस्वीरों ने भारत की टेंशन बढ़ा दी है। 2022 से 2026 तक की सैटलाइट तस्वीरों के अध्ययन से पता चला है कि चीन सिचुआन प्रांत में गुप्त रूप से परमाणु हथियारों के ठिकाने बना चुका है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। जियोस्पेशल इंटेलिजेंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक 2019 के बाद से चीन ने परमाणु हथियारों को लेकर अभियान तेज कर दिया है।

सिचुआन में जिटॉन्ग नाम की जगह पर घाटियों के बीच चीन ने बड़े-बड़े बंकर बनाए हैं। यहां पर पाइप का जाल बिछाया गया है। जानकारों का कहना है कि यहां पहाड़ों को खोदकर परमाणु अड्डे बनाए गए हैं। बता दें कि दुनियाभर में परमाणु हथियारों को लेकर तनाव पहल से ही कम नहीं है। इसी मुद्दे पर अमेरिका और ईरान आमने-सामने खड़े हैं और अमेरिका सीधी धमकी दे रहा है कि अगर ईरान के सीथ डील नहीं हुई तो वह हमला कर देगा। दूसरी ओर चीन का यह परमाणु अभियान ना केवल भार बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। न्यूयॉर्क टाइम्स की ओर से जारी तस्वीरों के मुताबिक चीन अपनी स्ट्रैटजिक पोजीशन को लगातार मजबूत करने में लगा है। अमेरिका ने 2020 में ही दावा किया था कि चीन गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है

कि चीन और रूस मिलकर अमेरिका केसाथ न्यूक्लियर वेपन एग्रीमेंट करें। अमेरिका ने कहा है कि अमेरिका और रूस के बीच न्यूक्यिर आर्म्स कंट्रोल पैक्ट खत् हो चुका हैऔर इसलिए चीन को भविष्य के समझौते का हिस्सा बनना चाहिए। पेंटागन के एक अनुमान के मुताबिक 2024 के आखिरी तक चीन के पास 500 से ज्यादा परमाणु हथियार हो सकते हैं। वहीं 2030 तक उसाक लक्ष्य यह आंकड़ा 1 हजार तक पहुंचाने का है। हालांकि अभी चीन रूस और अमेरिका से बहुत पीछे है और अगले 10 साल में भी वह रूस की बराबरी नहीं कर सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को तेजी से बढ़ा रहा है। बीजिंग दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में पहाड़ों के अंदर गुप्त रूप से परमाणु हथियारों से जुड़ी सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में रविवार को बताया कि 2022 और 2026 के बीच ली गई उपग्रह तस्वीरों के भू-स्थानिक विश्लेषण से दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में गुप्त परमाणु हथियार सुविधाओं के महत्वपूर्ण विस्तार का पता चला है।

भू-स्थानिक खुफिया विशेषज्ञ रेनी बाबियारज द्वारा साझा किए गए निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि 2019 से चीन के परमाणु निर्माण में तेजी आई है, जो देश की रणनीतिक क्षमताओं में एक अहम मोड़ है। सिचुआन में जिटोंग नाम की एक साइट पर इमेज से घाटी में नए बने बंकर और दीवारें दिखती हैं। उस जगह पर एक नए बने कॉम्प्लेक्स में बड़ा पाइपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसके बारे में एनालिस्ट्स का कहना है कि यह उन सुविधाओं से मेल खाता है, जो खतरनाक मटीरियल को हैंडल करती हैं। विश्लेषण में बताए गए एक्सपर्ट्स का अंदाजा है कि बंकरों का इस्तेमाल शायद उच्च-विस्फोटक परीक्षण करने के लिए किया जा रहा है। यह एक प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल केमिकल डेटोनेटर को रिफाइन करने के लिए किया जाता है, जो एक वॉरहेड में न्यूक्लियर मटीरियल को कंप्रेस करते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन लगातार अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूर करने में जुटा है।

भारत के लिए क्यों है टेंशन

जानकारों का कहना है कि चीन के पास परमाणु हथियारों का बढ़ना भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है। मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में एक अधिकारी का कहना है कि यह ट्रेंड काफी चिंताजनक है। जिटोंक और पिंगटोंग में निर्माण कार्य बहुत तेज है। यहां एक नया कॉम्प्लेक्स भी बनाया जा रहा है। जिटोंग में बंकर और हाई एक्सप्लोजिव टेस्टिंग सेंटर भी बनाए गए हैं। इसमें धमाका करने पर शॉक वेव दूर तक असर नहीं करती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के असली इरादों का अभी पता नहीं चल पाया है। वह सेना में बड़े स्तर पर सुधार करना चाहता है और परमाणु हथियारों के मामले में दुनिया का अग्रणी देश बनना चाहता है।

अमेरिका से बातचीत में ईरान ने ऊर्जा, विमान सौदों का रखा प्रस्ताव

तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाले दूसरे दौर की बातचीत से पहले ईरान आर्थिक सहयोग के कई बड़े प्रस्ताव लेकर आया है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका के साथ ऐसा परमाणु समझौता करना चाहता है जिससे दोनों देशों को आर्थिक फायदा हो। एक ईरानी राजनयिक ने रविवार को बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाले दूसरे दौर की बातचीत से पहले ईरान आर्थिक सहयोग के कई बड़े प्रस्ताव लेकर आया है।

ईरान और अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में अपने दशकों पुराने परमाणु विवाद को सुलझाने के लिए फिर से बातचीत शुरू की है। उद्देश्य है ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रहे तनाव को कम करना और किसी नए सैन्य टकराव से बचना।

रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका ने क्षेत्र में अपना दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर भेज दिया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अगर बातचीत सफल नहीं होती है तो लंबा सैन्य अभियान भी चलाया जा सकता है। रुबियो ने कहा, अब तक कोई भी ईरान के साथ सफल समझौता नहीं कर पाया है, लेकिन हम कोशिश करेंगे। ईरान ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर उस पर हमला हुआ तो

वह मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएगा। लेकिन रविवार को उसका रुख थोड़ा नरम दिखाई दिया। विदेश मंत्रालय में आर्थिक कूटनीति के उप-निदेशक हमीद गनबरी ने कहा कि समझौते को लंबे समय तक टिकाऊ बनाने के लिए जरूरी है कि अमेरिका को भी जल्दी और बड़े आर्थिक फायदे मिलें। उन्होंने बताया कि तेल और गैस के साझा क्षेत्र, संयुक्त खनन निवेश और यहां तक कि विमान खरीद जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल हैं। उनका कहना है कि साल 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को पर्याप्त आर्थिक लाभ नहीं मिला था। 2015 का समझौता और 2018 में अमेरिका का बाहर होना साल 2015 में ईरान ने कई विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौता किया था, जिसके तहत उसने अपने परमाणु कार्यक्रम पर कुछ सीमाएं लगाईं और बदले में उस पर लगे प्रतिबंधों में राहत दी गई। लेकिन 2018 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर लिया और ईरान पर फिर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। जिनेवा में होने वाली अहम बैठक

सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल जिसमें स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल हैं, मंगलवार को जिनेवा में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेगा।

खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करता था एपस्टीन!

वाशिंगटन, एजेंसी। यौन अपराधों के दोषी जेफ्री एपस्टीन को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हैं। इस बार सवाल यह उठाया जा रहा है कि क्या एपस्टीन, इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करता था, खासकर पूर्व इजरायली प्रधानमंत्री एहुद बराक के कार्यकाल के दौरान। सरकारी अधिकारियों और पूर्व खुफिया प्रमुखों ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच ङ्क पर लिखा कि एपस्टीन और एहुद बराक की नजदीकी यह साबित नहीं करती कि एपस्टीन इजरायल के लिए काम करता था, बल्कि यह इसके ठीक उलट संकेत देती है। उन्होंने बराक पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह वर्षों से इजरायली लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने भी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, 100 प्रतिशत निश्चितता के साथ कह सकता हूं कि जेफ्री एपस्टीन का मोसाद या इजरायल से कोई लेना-देना नहीं था। उसने कभी मोसाद के लिए काम नहीं किया। पूर्व मोसाद प्रमुख योसी कोहेन ने भी कहा कि एपस्टीन का खुफिया एजेंसी से बिल्कुल कोई संबंध नहीं था। अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े 30 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेज जारी किए हैं। 30 जनवरी को जारी अंतिम दस्तावेज़ी खेप में कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए, लेकिन कहीं भी यह साबित नहीं होता कि एपस्टीन मोसाद का एजेंट था। इन दस्तावेजों में ईमेल, वित्तीय रिकॉर्ड और निजी संपर्कों का उल्लेख है, जिनकी जांच अब और तेज हो गई है। एहुद बराक ने स्वीकार किया कि उनकी एपस्टीन से मुलाकातें हुई थीं।

उइगर दमन पर चीन की घेराबंदी, एशिया से यूरोप तक बढ़ा वैश्विक विरोध

बीजिंग, एजेंसी। चीन द्वारा उइगर मुस्लिम समुदाय पर किए जा रहे दमन के खिलाफ वैश्विक स्तर पर विरोध और दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्ल्ड उइगर कांग्रेस ने अपने साप्ताहिक ब्रीफ में बताया कि एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में राजनीतिक, कानूनी और कूटनीतिक मोर्चों पर चीन की नीतियों को चुनौती दी जा रही है।

जापान में प्रधानमंत्री साने ताकाइची और उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की संसदीय जीत का वर्ल्ड उइगर कांग्रेस ने स्वागत किया है। ताकाइची पहले भी उइगर प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चुकी हैं और इस मुद्दे पर संसदीय स्तर पर समर्थन जताती रही हैं। इसके साथ ही उइगर मूल की सांसद एरी अरफिया के दोबारा चुने जाने को भी लोकतंत्र और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए सकारात्मक संकेत बताया गया है। ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियन उइगर तंगरिताग महिला संघ ने फेडरल कोर्ट ऑफ ऑस्ट्रेलिया में याचिका दायर कर रिटेल कंपनी से उन सप्लायर्स की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है, जिनका संबंध कथित तौर पर चीन के उइगर क्षेत्र में जबरन श्रम से है। यह मामला ऑस्ट्रेलिया में आधुनिक दासता कानूनों को और सख्त करने की बहस के बीच सामने आया है। जिनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर उइगर अधिकार

कार्यकर्ता जुमरताय अर्किन ने कहा कि चीन का दमन अब अस्थायी अभियान नहीं बल्कि एक संस्थागत प्रणाली बन चुका है। उन्होंने परिवारों की जबरन जुदाई, श्रम स्थानांतरण और उइगर महिलाओं को निशाना बनाने की नीतियों पर चिंता जताई और सरकारों को बिना जवाबदेही के चीन से रिश्ते बहाल न करने की चेतावनी दी। मेक्सिको में आयोजित कार्यक्रम में उइगर कार्यकर्ता रुशन अब्बास ने कहा कि चीन की जबरन श्रम नीतियों का असर वैश्विक सप्लाई चेन तक पहुंच रहा है। उन्होंने अपनी बहन गुलशन अब्बास की कैद का हवाला देते हुए कहा कि यह मुद्दा केवल व्यापार नहीं, बल्कि इंसानी पीड़ा से जुड़ा है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से पहले यूरोपीय देशों में चीन से संबंधों पर पुनर्विचार की चर्चा तेज है। वहीं हांगकांग में मीडिया उद्यमी जिमी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत लंबी सजा दिए जाने के बाद नागरिक स्वतंत्रताओं के सिमटने पर गंभीर चिंता जताई जा रही है। अधिकार समूहों का कहना है कि यह कार्रवाई चीन की दमनकारी पहुंच के विस्तार का संकेत है।

बहन और बेटी की लड़ाई में फंसा क्रूर तानाशाह!

13 साल की पुत्री को पावर देने की तैयारी में किम जोंग उन

प्योंगयांग/सियोल, एजेंसी। देश पर कंट्रोल करने की लड़ाई दोनों के बीच तेज हो सकती है। किम जू ऐ की उम्र महज 13 साल है और चर्चा है कि उसे 14 साल का होते ही किम जोंग उन की ओर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जा सकता है। उन की बहन भी खुद को एक पावर सेंटर मानती रही हैं। ऐसे में संभव है कि यह संघर्ष बढ़ सकता है।

दुनिया के सबसे क्रूर तानाशाहों में से एक किम जोंग उन के परिवार में ही फिलहाल झगड़ा होता दिख रहा है। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी का कहना है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ का नाम अगले नेता के तौर पर घोषित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में किम जोंग उन की बेटी का मुकाबला पावरफुल बुआ किम यो जोंग से हो सकता है। भविष्य में देश पर कंट्रोल करने की लड़ाई दोनों के बीच तेज हो सकती है। किम जू ऐ की उम्र महज 13 साल है और चर्चा है कि उसे 14 साल का होते ही किम जोंग उन की ओर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जा सकता है। उन की बहन भी खुद को एक पावर सेंटर मानती रही हैं। ऐसे में संभव है कि यह संघर्ष बढ़ सकता है। साउथ कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने बीते

सप्ताह बताया कि किम जू ऐ की उम्र 13 साल की हो गई हैं। अब उन्हें औपचारिक तौर पर उत्तराधिकारी घोषित किया जा सकता है। यह समय अहम है क्योंकि उत्तर कोरिया में इसी महीने एक बड़ा राजनीतिक आयोजन होने वाला है। इसमें किम जोंग उन बताएंगे कि देश के लिए भविष्य में क्या लक्ष्य तय किए गए हैं। इसके अलावा वह देश की सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भी कुछ कदमों का ऐलान कर सकते हैं। इस दौरान किम जोंग उन की बेटी भी मंच पर हो सकती हैं। हाल ही में एक मीटिंग में वह अपने पिता का हाथ थामे हुए पहुंची थीं।

किम जू ऐ को किसी सार्वजनिक आयोजन में पहली बार नवंबर 2022 में देखा गया था। तब वह एक लॉन्ग रेंज मिसाइल के परीक्षण में पहुंची थीं। इसके बाद वह लगातार कई आयोजनों में पिता के साथ नजर आई हैं। उन्होंने हथियार फैक्ट्रियों के दौरे किए हैं तो वहीं सैन्य परेडों में भी हिस्सा लिया है। यही नहीं बीते साल सितंबर में वह चीन की राजधानी बीजिंग भी पहुंची थीं। आमतौर पर उत्तर कोरिया की राजनीति में पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है, लेकिन पहली बार किम जोंग उन बेटी को कमान दे सकते हैं। इसी उद्देश्य से उन्हें चीन ले जाया गया था ताकि उन्हें स्थापित किया जा सके।

ब्रिटिश उपप्रधानमंत्री बोले- भारत में एआई समिट से दुनिया को मिली नई दिशा, टेक सहयोग को मिलेगी नई रफ्तार

लंदन एजेंसी। ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी ने कहा है कि भारत में सोमवार से शुरू हो रहा एआई इम्पैक्ट समिट कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पूर्ण लाभों को हासिल करने का एक अहम वैश्विक अवसर है। ब्रिटिश सरकार के अनुसार, इस शिखर सम्मेलन में ब्रिटेन का फोकस इस बात पर रहेगा कि एआई किस तरह आर्थिक विकास को गति दे सकती है, नए रोजगार पैदा कर सकती है, सार्वजनिक सेवाओं को अधिक प्रभावी बना सकती है और दुनिया भर के लोगों के जीवन को बेहतर बना सकती है।उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी और ब्रिटेन के एआई मंत्री कनिष्क नारायण के नेतृत्व में ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल यह रेखांकित करेगा कि एआई एक नवीनीकरण इंजन के रूप में कैसे काम कर सकती है। इसके जरिए डॉक्टरों को तेज और सटीक निदान, शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण, स्थानीय प्रशासन को त्वरित सेवाएं और उद्योगों को अगली पीढ़ी के बेहतर रोजगार सृजित करने में मदद मिल सकती है। शिखर सम्मेलन से पहले जारी बयान में लैमी ने कहा, यह समिट एक निर्णायक क्षण है, जहां हम अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर एआई की पूरी क्षमता और इसके लाभों को सामने लाने की दिशा तय कर सकते हैं।ब्रिटेन के विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग ने भारत और ब्रिटेन को स्वाभाविक प्रौद्योगिकी साझेदार बताया है। विभाग ने कहा कि इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और विप्रो जैसी भारतीय आईटी दिग्गज कंपनियां ब्रिटेन में तेजी से अपना विस्तार कर रही हैं। वेल्स से भारतीय मूल के पहले सांसद कनिष्क नारायण ने कहा,एआई हमारी पीढ़ी की निर्णायक तकनीक है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इसके लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचें। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन एआइ के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है, जिससे लोग अधिक सीख सकें, अधिक कमा सकें और अपने भविष्य को अपनी शर्तों पर आकार दे सकें।

यूनुस के खिलाफ जांच आयोग बैठा सकती है रहमान सरकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद गठित मोहम्मद यूनुस सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में उछाल आया है। सरकार के मुखिया यूनुस की संपत्ति में एक साल में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यूनुस की संपत्ति अब कुल साढ़े 12 करोड़ रुपए हो गई है, इसमें लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए का उछाल आया है। अंतरिम सरकार के टॉप 4 मंत्रियों में सबसे ज्यादा संपत्ति की वृद्धि यूनुस की हुई है।

दूसरे नंबर पर आवास मंत्री अदिलुर रहमान की संपत्ति में 1 करोड़ 23 लाख रुपए की वृद्धि हुई। यूनुस के 21 में से 18 मंत्रियों की संपत्ति बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार नए पीएम रहमान अंतरिम सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में इजाफे की जांच के लिए कमेटी गठित कर सकते हैं। इस सब के बीच यूनुस अब फिर से पेरिस में बसने की तैयारी में हैं। बता दें कि यूनुस बांग्लादेश के एकमात्र नोबेल अवॉर्ड विजेता हैं। बांग्लादेश में माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बड़ा

नाम यूनुस का शेख हसीना सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हुए थे। लेकिन यूनुस ने अपनी सरकार बनने पर केस वापस कर लिए थे।

आइटी मंत्री फैज नीदरलैंड्स लौटे

तारिक रहमान की जीत के साथ ही यूनुस सरकार में आईटी मंत्री रहे फैज अहमद तैयब नीदरलैंड्स लौट गए हैं। फैज के कार्यकाल के दौरान आइटी सेक्टर में उनके द्वारा विदेशी कंपनियों के पक्ष में दिए गए कुछ फैसलों को लेकर आपत्तियां भी आई थीं। उन पर अनावश्यक हाई-कैपेसिटी इक्विपमेंट खरीद के लिए कुछ कंपनियों को टेंडर जारी करने के भी आरोप हैं। यूनुस सरकार में पर्यावरण मंत्री सैयदा रिजवाना का कहना है कि फैज अपने परिवार के साथ नीदरलैंड्स में ही रहते हैं, वे यूनुस सरकार में शामिल होने के लिए बांग्लादेश लौटे थे।

जमात प्रमुख शफीकुर से मिले तारिक रहमान

बांग्लादेश के नवनिर्वाचित पीएम रहमान ने रविवार देर शाम जमात के अमीर (प्रमुख) शफीकुर रहमान के साथ मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार रहमान ने संसद के सुचारु संचालन के लिए जमात के साथ समझौते पर सहमति भी बनाई है। बता दें कि जमात ने 32 सीटों में धांधली का आरोप लगाया है।

दूसरी ओर सूत्रों के अनुसार ढाका में चीन और पाकिस्तान के दूतावासों में बैठकों के दौर तेज हो गए हैं। पाकिस्तान से लगभग 6 वरिष्ठ आर्मी अफसर पिछले एक पखवाड़े से दूतावास में डेरा जमाए हुए हैं। जमात की हार के बाद पाकिस्तान रहमान सरकार के साथ संबंधों के लिए ग्राउंड वर्क में जुटा है। पूर्व में पाक कट्टरपंथी जमात का समर्थक रहा है।

खबर-खास

खारुन का सीना चीरती मशीनें! खुडमुड़ी में बेखौफचल रहा अवैध रेत उत्खनन, प्रशासन मौन

पाटन (समय दर्शन)। क्षेत्र के खुडमुड़ी गांव में खारुन नदी का सीना चीरकर खुलेआम अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है। नदी के बीचों-बीच मोटर बोट लगाकर दिन-दहाड़े और रात के अंधेरे में रेत निकाली जा रही है, लेकिन शासन-प्रशासन की नजर अब तक इस पर नहीं पड़ी — या फिर जानबूझकर आंखें मूंदी हुई हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि उफ्रा की तरफ से लगातार रेत निकाली जा रही है। नदी के भीतर मोटर बोट और पंपिंग मशीनें लगाकर बड़े पैमाने पर रेत खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन को इस अवैध उत्खनन की भनक तक नहीं है। क्षेत्र में चर्चा है कि इस अवैध कारोबार को कुछ राजनीतिक रसूखदारों का संरक्षण भी प्राप्त है, जिसके चलते कार्रवाई नहीं हो पा रही है। यदि यह सच है, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि मिलीभगत की ओर इशारा करता है। अवैध रेत उत्खनन से न केवल राजस्व की क्षति हो रही है, बल्कि पर्यावरण पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। नदी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हो रहा है, जलस्तर में गिरावट की आशंका बढ़ रही है और आसपास के गांवों में कटाव का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रहे खनन से वे काफी परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने की मांग की है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग इस खुलेआम चल रहे अवैध खेल पर कब तक चुप्पी साधे रहते हैं, या फिर कार्रवाई कर खारुन को बचाने की दिशा में ठोस कदम उठाते हैं।

मृतक के परिजन को मिली 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतक के परिजन को 04-04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झीट तहसील पाटन जिला दुर्ग निवासी स्व. मोहम्मद इम्तियाज उम्र 08 वर्ष अपने घर में सायकल निकालते समय किसी जहरीले साप के काट लेने से उपचार के दौरान 12 जून 2024 को मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार ग्राम चंगोरी तहसील पाटन जिला दुर्ग निवासी स्व. सुदर्शन यादव उम्र 35 वर्ष शीतला मंदिर तालाब में नहाते समय पानी में डुबने से 07 नवम्बर 2024 को मृत्यु हुई थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. मोहम्मद इम्तियाज के माता शबाना बानो बेगम एवं स्व. सुदर्शन यादव के माता श्रीमती सुमरीत बाई यादव को क्रमश: 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

मतदाता सूची में विसंगतियों के निराकरण हेतु निर्देश जारी

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के पश्चात विधानसभा निर्वाचन नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को मतदान केन्द्रवार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त सूची वार्ड वार पृथक रूप से तैयार नहीं की गई है, बल्कि वर्ष 2025 की मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं द्वारा दस्तावेज सहित भरे गए गणना प्रपत्र एवं सत्यापन उपरांत इसे प्रकाशित किया गया है। इसकी प्रति जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही 22 जनवरी 2026 तक मतदान केन्द्रों में दावा-आपत्ति प्राप्त की गई है। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि यदि मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरणों को लेकर किसी प्रकार की त्रुटि, दावा या आपत्ति हो तो आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रपत्र (6, 7, 8) में संबंधित **BLO/ERO/AERO** कार्यालय में अथवा ऑनलाइन पोर्टल **voters.eci.gov.in/VHA** के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं

जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा(समय दर्शन)। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय

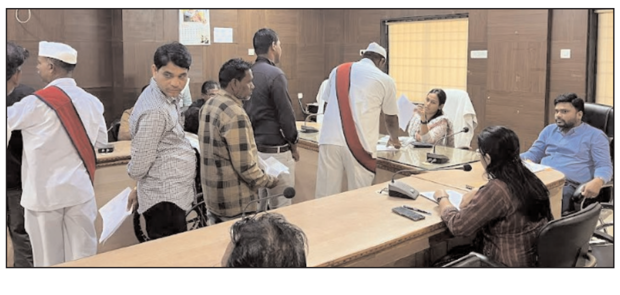

अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

पाटन विधानसभा से भी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी

भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक सपन्न

पाटन (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा प्रकोष्ठ की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई, जिसमें प्रदेश भर से पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा किसानों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में पाटन विधानसभा क्षेत्र से भी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की और क्षेत्र की समस्याओं व सुझावों को प्रदेश नेतृत्व के समक्ष रखा। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा किसान हितों से जुड़े विषयों पर प्रभावी रणनीति तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अजित ठाकुर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव तथा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश ठाकुर से सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान संगठनात्मक मजबूती, किसान हितैषी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद स्थापित करने और सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक को संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए नेताओं ने कहा कि किसान मोर्चा पार्टी की रीढ़ है और किसानों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी सदैव प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर ने अनिवार्य बायोमेट्रिक आधार अपडेट प्रगति की समीक्षा की

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों, समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्री आर के तम्बोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती स्निग्धा तिवारी सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवकाश पर जाने से पूर्व प्रत्येक अधिकारी अनिवार्य रूप से सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करें तथा अपने स्थान पर लिंक अधिकारी की नियुक्ति सुनिश्चित करें, ताकि कार्यों की निरंतरता बनी रहे। अवकाश आवेदन में लिंक अधिकारी का नाम स्पष्ट रूप से अनिवार्य उल्लेखित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी अधिकारियों को मंगलवार एवं बुधवार को अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहकर लंबित नस्तियों का निराकरण, विभागीय समीक्षा तथा आमजनता की समस्याओं के समाधान प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त राज्य शासन के निर्देशानुसार गुरुवार एवं शुक्रवार को मैदानी स्तरों पर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करने कहा गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के स्कूलों में मेंडेटरी बायोमेट्रिक आधार अपडेशन हेतु स्कूलों में आयोजित विशेष आधार शिविर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त कर कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में आवश्यक बालिका शौचालयों की जानकारी ली एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करने कहा। साथ ही मरम्मत योग्य शौचालयों की सूची शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आगामी जनगणना का कार्य महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक तैयारियों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उप संचालक ने की पंचायत कार्यों की व्यापक समीक्षा

३वित्तीय अनुशासन, समयबद्ध प्रविष्टि एवं राजस्व संग्रहण में सुधार लाने के दिए निर्देश

मुंगेली (समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभाकक्ष में उप संचालक पंचायत संतोष घोषले की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला ऑडिटर, वरिष्ठ करारोपण अधिकारी एवं समस्त ऑडिट टीम के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में वित्तीय प्रबंधन, कर वसूली की प्रगति तथा प्रशासनिक दायित्वों की समीक्षा कर पारदर्शिता और कार्यकुशलता

सुनिश्चित करना था। उप संचालक ने वित्तीय अनुशासन, समयबद्ध प्रविष्टि एवं राजस्व संग्रहण में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित समयसीमा में सभी लंबित कार्य पूर्ण किए जाएं।

बैठक में ग्राम पंचायतों में समर्थ पोर्टल पर पंजीयन की वर्तमान स्थिति तथा विभिन्न करों की वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को शत-प्रतिशत पंजीयन एवं लक्ष्य अनुरूप कर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सरपंच एवं पंचों के मानदेय प्रविष्टियों की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई। लंबित एंट्री को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को प्रदान किए गए। ग्राम पंचायतों में मोबाइल टॉवर, तालाब एवं अन्य स्त्रोतों से प्राप्त राजस्व की समीक्षा की गई। जमा राशि एवं अभिलेख संधारण की स्थिति पर विशेष जोर देते हुए पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित उप सरपंचों के संबंध में चर्चा की गई तथा संबंधित पंचायतों को कारण स्पष्ट करने और भविष्य में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उठाए गए अन्य प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर भी चर्चा हुई। उप संचालक पंचायत ने सभी बिंदुओं पर शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

नेवई और मरोदा क्षेत्र में नहीं खुलेगा तीन दिन नल

रिसाली (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम रिसाली के नेवई क्षेत्र स्थित 32 लाख लीटर क्षमता वाले ओवर हेड टैंक का मरम्मत कार्य करने तीन दिनों का शट डाउन लिया जाएगा। शुक्रवार से रविवार तक पेयजल आपूर्ति प्रभावित क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से की जाएगी। सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि मेन डिस्ट्रीब्यूशन लाइन में लिक होने की वजह से शट डाउन लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में वार्ड 16 बीआरपी कालोनी, वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा, वार्ड 18 एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा, वार्ड 19 विजय चैक स्टेशन मरोदा, वार्ड 20 शंकरपारा स्टेशन मरोदा, वार्ड 21 सूर्या नगर, वार्ड 32 नेवई भाटा, वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व, वार्ड 34 नेवई बस्ती पश्चिम शामिल है।

भिलाई में ग्रीन स्टील पर संवाद का आयोजन संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। इस्पात उद्योग भारत की आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और वर्तमान समय में यह सतत विकास एवं जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तन के केंद्र में भी है। इसी दिशा में 16 फरवरी 2026 को होटल अमित पार्क, भिलाई में ग्रीन स्टील पर संवाद का आयोजन किया गया। यह पहल जिला नवाचार केंद्र (डीआईएच), दुर्ग द्वारा संचालित टीआईएसएस इन्क्यूब फाउंडेशन (टीआईएफ) के माध्यम से की गई, जो टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुंबई की सामाजिक प्रभाव उन्मुख इनक्यूबेशन पहल है। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में ग्रीन स्टील उत्पादन हेतु दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करने के लिए एक सशक्त मंच की शुरुआत करना था। छत्तीसगढ़ देश के कच्चे इस्पात उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। ऐसे में राज्य की उद्योग इकाइयों की भूमिका इस्पात उत्पादन में हरित एवं नवाचार आधारित तकनीकों को अपनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रक्रिया अनुकूलन के माध्यम से ऊर्जा दक्षता। इस्पात निर्माण में नवीकरणीय ऊर्जा का समावेशन। स्क्रैप वैल्यू चेन को सुदृढ़ करना। डीकार्बोनाइजेशन हेतु वित्तीय तंत्र। लो-कार्बन स्टील में उभरते नवाचार। वैश्विक स्तर पर ग्रीन स्टील की धारणा एवं बाजार संभावनाएँ। क्षेत्र में अपनाए जा सकने वाले श्रेष्ठ अभ्यास। कार्यक्रम में भिलाई स्टील प्लांट के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिनमें शामिल थे। श्री तपस दासगुप्ता, पूर्व मुख्य महाप्रबंधक (इंचार्ज)। श्री संजीव नैय्यर, मुख्य महाप्रबंधक (इंचार्ज)। श्री के वि शंकर, महाप्रबंधक (गुणवत्ता) एवं सचिव, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स-भिलाई चौप्टर। सतत विकास के क्षेत्र से स्विचऑन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों श्री उद्दीप नंदी (वरिष्ठ उप महाप्रबंधक-संचालन) एवं श्री अनुपम राय (सलाहकार) ने ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक क्रान्ति कुमार बन्छोर पिता सिद्धराम बन्छोर निवासी दरबार मोखली तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि स्व. गयन्द लाल बन्छोर पिता स्व.दीनदयाल बन्छोर का मृत्यु दिनांक 25/01/1961 को ग्राम दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.02.2026 को जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)**

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक क्रान्ति कुमार बन्छोर पिता सिद्धराम बन्छोर निवासी दरबार मोखली तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि स्व. कामिन बाई बन्छोर पति जिवनंदन बन्छोर का मृत्यु दिनांक 10/04/1990 को ग्राम दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.02.2026 को जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय जिला विवाह अधिकारी जिला- मोहला- मानपुर- अं. चौकी (छ.ग.)

email:-collector-mmac@c.gov.in
Phone No. 07747-299136

// सार्वजनिक सूचना //
(नियम-6 (2) देखिये)

सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आवेदक :- समीर कुमार, पिता श्री दिनेश कुमार, जाति- महार, उम्र 21 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 04, ग्राम सिंगरायटोला तह. अं. चौकी, थाना- चिल्हाटी, जिला- मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.) एवं आवेदिका :- नारायणी साहू, पिता श्री कोमल राम साहू, जाति- तेली, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम बैजलपुर, पो. निनवा, थाना- बेमेतरा देहात, तह.- थाना- जिला- बेमेतरा (छ.ग.) के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अध्याय 2 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में पेशी दिनांक 26.02.2026 तक 11.00 बजे के पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा वह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 27.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी।

आगामी तिथि :- 26.02.2026

अपर कलेक्टर
एवं जिला विवाह अधिकारी
जिला- मोहला-मानपुर-अं. चौकी

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक क्रान्ति कुमार बन्छोर पिता सिद्धराम बन्छोर निवासी दरबार मोखली तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि स्व. जिवनंदन बन्छोर पिता स्व.देवनाथ बन्छोर का मृत्यु दिनांक 20/03/1966 को ग्राम दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.02.2026 को जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)**

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक क्रान्ति कुमार बन्छोर पिता सिद्धराम बन्छोर निवासी दरबार मोखली तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि स्व. जानिया बाई बन्छोर पति दीनदयाल बन्छोर का मृत्यु दिनांक 05/11/1965 को ग्राम दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.02.2026 को जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)**

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया है कि स्व. हेमकुवंर पति स्व. गयन्द लाल का मृत्यु दिनांक 30/04/1997 को ग्राम दरबार मोखली तहसील पाटन जिला में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.02.2026 को जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)**

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक क्रान्ति कुमार बन्छोर पिता सिद्धराम बन्छोर निवासी दरबार मोखली तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि स्व. दीनदयाल पिता स्व. देवनाथ बन्छोर का मृत्यु दिनांक 15/07/1962 को ग्राम दरबार मोखली तहसील पाटन जिला में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक क्रान्ति बन्छोर पिता सिद्धराम निवासी दरबार मोखली तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06.02.2026 को जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)**

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक अभिषेक कश्यप आ. स्व. दुष्यंत कश्यप निवासी पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे भाभी दामिनी वर्मा पिता कामदेव का जन्म दिनांक 22.04.1960 को ग्राम बोरिद प.ह.नं. 30 तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: अभिषेक कश्यप आ. स्व. दुष्यंत कश्यप निवासी पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 20.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 06.02.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)**

अविवादित नामांतरण और अविवादित बंटवारे के प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण-कलेक्टर सिंह

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में जिले के विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से अविवादित नामांतरण और अविवादित बंटवारे के कार्य ग्राम पंचायतों को सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक-दो प्रकरण दर्ज कर 31 मार्च से पहले आदेश जारी किए जाएं। भूमि आवंटन से जुड़े मामलों में विभाग प्रमुखों को बिना विलंब अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने को कहा गया, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों।

बैठक में बायोमेट्रिक अटेंडेंस को सभी अनुविभागीय कार्यालयों, जनपदों और तहसीलों में शत-प्रतिशत लागू करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत व्यक्तिगत आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली, जिस पर सभी नगर निगम आयुक्तों ने पूर्णता की जानकारी दी। स्वामित्व योजना (मेप-2/मेप-3) में संशोधन के लिए ग्रामवार स्कैन कॉपी के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। साथ ही शासकीय नस्तियों के संधारण के लिए लिंक अधिकारी की शीघ्र नियुक्ति करने को कहा गया।

आगामी जनगणना-2027 की प्रारंभिक तैयारियां शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। उचित मूल्य दुकानों में अनियमितता पाए जाने पर निरस्तीकरण के बाद भी बकाया राशि जमा न करने वाले संचालकों से भू-राजस्व के रूप में वसूली की कार्यवाही शीघ्र करने को कहा गया।

जिले के सभी आंगनबाड़ी एवं स्कूली बच्चों, जिनके आधार कार्ड नहीं बने हैं, उनके लिए शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी बच्चों के आधार पंजीयन हेतु जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य होने के कारण जिन बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र लंबित हैं, उनके लिए संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के दिव्यांगजनों के लिए 18, 19 और 20 फरवरी को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

सियारामचंद्र हम सबके कण कण में बसे हैं...नोमिन ठाकुर

रानीतराई (समय दर्शन)। आयोजक समिति एवं ग्रामवासी के तत्वाधान दो दिवसीय मानसगान प्रतियोगिता आयोजित किया गया है।जिसके शुभारंभ एवं दीप प्रज्वलन के मुख्य अतिथि नोमिन ठाकुर सदस्य जिला पंचायत दुर्ग,अध्यक्षता अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग ने की,विशेष अतिथि दिनेश साहू सदस्य जप,गरीब दास साहू,रेखराम साहू सरपंच,गिरवर साहू उपसरपंच,सनत साहू सचिव,नकुल राम निषाद,डा उमेश वर्मा ने हनुमान,सियाराम चंद्र जी की पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख,समृद्धि,खुशहाली,शांति की मंगलकामना किए। मुख्य अतिथि जिप सदस्य नोमिन ठाकुर ने सियावर रामचंद्र हमारे आराध्य एवं कण कण में बसे हुए हैं। विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने छत्तीसगढ़ में भांचा राम का महत्व सबसे अधिक है।उनका पैर छूकर अभिवादन हमारी परंपरा में शामिल है। जनपद सदस्य दिनेश साहू ने प्रत्येक ग्रामों में हो रहे धार्मिक आयोजन के लिए आयोजक समिति एवं ग्रामवासी को शुभकामनाएं प्रेषित किए। इस अवसर पर शत्रुघन साहू,ललित साहू, जनक वर्मा,भजन साहू, सुशील वर्मा, टेक साहू,नीलकंठ साहू, प्रहलाद वर्मा, खेमेंद्र साहू,डा आर आर सिन्हा ,शोभा यादव,श्रवण यादव,दिनेश वर्मा,मनोज धीवर आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त-खबर

संभाग स्तरीय डाक अदालत आज

भिलाई (समय दर्शन)। प्रवर अधीक्षक डाकघर दुर्ग संभाग सि.से भिलाई 490006 द्वारा डाक सेवाओं से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों पर प्रत्यक्ष परिचर्चा करके उनका समाधान करने हेतु संभागीय स्तर पर डाक अदालत का आयोजन दिनाँक 18/02/2026 दिन बुधवार को किया जाना निश्चित किया गया है 7 डाक सेवाओं से संबंधित समस्त शिकायतें जैसे ङ्क डाक वस्तुओं का वितरण, काउंटर सेवाएं, लघुबचत योजनाएं (आरडी/बचत बैंक /बचत पत्र इत्यादि) रजिस्ट्री, मनीआर्डर, व्हिपी पार्सल,एक्सप्रेस पार्सल, स्पीड पोस्ट, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित शिकायतों का समाधान डाक अदालत में किया जायेगा7 डाक अदालत का आयोजन कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर दुर्ग संभाग सिविक सेंटर भिलाई 490006 में किया जायेगा।

पिथौरा में अवैध महुआ शराब के खिलाफ कार्रवाई, 76 लीटर मदिरा जब्त

पिथौरा(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर जिले में अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय पर आबकारी विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आबकारी विभाग द्वारा पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत खैरखूंटा क्षेत्र में छापेमारी कर 76 लीटर हाथ भट्टी महुआ मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 15,200 है।

आबकारी विभाग ने आरोपी रघुनाथ सेठ के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण क्रमांक 01 कायम किया है। कार्रवाई के दौरान मौके से एक वाहन भी जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 20,000 है। यह कार्रवाई थाना पिथौरा क्षेत्र अंतर्गत की गई। इस पूरे प्रकरण की विवेचना आबकारी उपनिरीक्षक नीरज कुमार साहू द्वारा की जा रही है।

देवरानी में साहू परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ आज से

बिर्रा(समय दर्शन)। बम्हनीडीह विकासखंड अंतर्गत ग्राम देवरानी(बिर्रा)में साहू परिवार द्वारा स्वर्गीय हरिश साहू जी की मोक्ष कामना एवं आत्मिक शांति हेतु संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ प्रारंभ हुआ। कथा का शुभारंभ 17 फरवरी को भव्य कलश यात्रा एवं वेदी पूजन के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं एवं पुरुष शामिल हुए। इस पावन आयोजन में कथावाचक आचार्य पं. लक्ष्मीनारायण मिश्र जी (पिसौद) द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक मधुर संगीतमय शैली में श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है।कथा के क्रम में 18 फरवरी को परीक्षित जन्म, 19 फरवरी को ध्रुव चरित्र एवं सती चरित्र, 20 फरवरी को प्रह्लाद चरित्र एवं समुद्र मंथन, 21 फरवरी को वामन अवतार एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्म, 22 फरवरी को श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं रुक्मिणी विवाह, 23 फरवरी को सुदामा चरित्र तथा 24 फरवरी को परीक्षित मोक्ष कथा एवं कथा विश्राम का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। वहीं 25 फरवरी को तुलसी वर्षा, यज्ञ-हवन, पूर्णाहुति एवं सहस्त्रधारा के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत एवं भव्य समापन होगा।इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने हेतु श्रीमती घासीन बाईङ्कगोकुल साहू, श्रीमती रमाबाईङ्कराधेश्याम साहू, कृष्णा साहू, बेदराम साहू, रेवती साहू, पारखराम साहू सहित समस्त साहू परिवार एवं ग्रामवासी तन-मन-धन से सहयोग कर रहे हैं।

गन्ने एवं मिलेट्स फसलों की खेती को बढ़ावा देवें - संभाग आयुक्त राठौर

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने की हो कारगर पहल

संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए गन्ने एवं मिलेट्स फसलों की पैदावारी हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्?होंने कहा कि दुर्ग जिले में गन्ने की फसल पर जोर दिया जाए, वहीं संभाग अंतर्गत पाहड़ी क्षेत्रों के जिलों में मिलेट्स फसलों की पैदावारी पर जोर दिया जाए। उन्होंने संयुक्त संचालक कृषि को गन्ने की पैदावारी के लिए शासन स्तर पर कृषकों को अनुदान राशि हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। श्री राठौर ने संभाग अंतर्गत जिलों में रबी धान की फसल के बदले दहलन-तिलहन फसलों की क्षेत्राच्छादन में बढ़ोतरी करने निर्देशित किया। खाद के भंडारण के साथ ही अग्रिम उठाव हेतु अभियान प्रारंभ किया जाए। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने आज संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में उक्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान नकल रोकने बेहतर प्रबंध किया जाए। जिलों में उड़नदस्ता टीम गठित कर, टीम द्वारा नकल के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। बोर्ड परीक्षा का संचालन बेहतर ढंग से हो। केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा के संबंध में आवश्यक सावधानियां बरतने के कड़े निर्देश दिये जाए।

संभाग आयुक्त श्री राठौर ने सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य संचालित करने पर जोर देते हुए अवगत कराया कि आगामी 24 फरवरी को ई-ऑफिस पर विशेष प्रशिक्षण बीआईटी दुर्ग में आयोजित की जा रही है।

उक्त प्रशिक्षण में अधिकारी सम्मिलित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार प्रदेश की सभी पंचायतों को एक प्राथमिक सहकारी समिति को जोड़ना है। दुर्ग संभाग में अब तक 1330 पंचायतों को समितियों द्वारा कवर्ड किया गया है। उन्होंने संयुक्त आयुक्त सहकारी समितियां को अनकवर्ड ग्राम पंचायतों में भी पैक्स, दुग्ध, मत्स्य एवं वनोपज समितियों से जोड़ने हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। इस दौरान संभाग आयुक्त श्री राठौर ने विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की भी समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) श्री पदुमलाल यादव, उपायुक्त (विकास) श्री संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी

कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर, पिरदा विद्यालय में आशीर्वचन (विदाई) एवं सांस्कृतिक उत्सव का पुरस्कार वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि रूप में श्रीमती सीमा लोकेश नायक (सभापति) जिला पंचायत महासमुंद,विशिष्ट अतिथि के रूप में दीनदयाल भोई (सदस्य) जिला पंचायत महासमुंद, सुभाष बंजारा, तोषकुमार पटेल (उपाध्यक्ष) भाजपा मण्डल पिरदा, उत्तम कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा लोकेश नायक द्वारा किया गया वे भैया-बहिनों को संबोधित करते हुए बताये कि भविष्य में जीवन के लक्ष्य एवं अनुशासन के महत्ता करते के उपर प्रकाश दिये। विद्यालय के संयोजक देवचंद्र नायक द्वारा भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास के साथ भविष्य में जीवन में संस्कार और विद्यालय के बताये गये आदर्शों को पालन करने के लिए बताये। और ललीत बेहेरा (प्रधानाचार्य) द्वारा भविष्य में आने वाले जीवन की कठिनाईयों के साथ परीक्षा तैयारी के लिए टिप्स दिए।

इसके बाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा भैया बहिनों को पुरस्कार दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा लोकेश नायक जी द्वारा आने वाले सत्र में भैया बहिनों के लिए शौचालय की व्यवस्था के लिए घोषणा किए इस घोषणा पूरा विद्यालय परिवार में खुशी की लहर व्याप्त है। इसके साथ- साथ उक्त कार्यक्रम में समिति परिवार के अध्यक्ष उमाशंकर पटेल, चुन्नूलाल पटेल (संरक्षक), रमेश प्रधान, निर्मल प्रधान, सम्पत साहू एवं समस्त आचार्य और भैया-बहिन उपस्थित रहे।

15वें वित्त कार्य में अनियमितता, तत्कालीन पंचायत सचिव निलंबित

दुर्ग (समय दर्शन)। जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) में 15वें वित्त आयोग से स्वीकृत कार्य में वित्तीय अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन पंचायत सचिव श्रीमती ताम्लेश्वरी देवांगन को निलंबित कर दिया गया है।

जिला पंचायत दुर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत संसाधन केन्द्र अंजोरा (ख) में पेवर ब्लॉक लगाए जाने के लिए स्वीकृत राशि में से कार्य प्रारंभ किए बिना ही ए.के. टाईल्स को 56 हजार रुपये का भुगतान किया गया। श्रीमती ताम्लेश्वरी देवांगन के द्वारा गंभीर वित्तीय अनियमितता किया जाकर महत्वपूर्ण शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में दिए गए निर्देशों की अवहेलना एवं उच्च कार्यालय के आदेशों के पालन में लापरवाही बरती गई है। श्रीमती ताम्लेश्वरी देवांगन तत्कालीन पंचायत सचिव ग्राम पंचायत अंजारो (ख) जनपद पंचायत दुर्ग द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन तथा शासन के महत्वाकांक्षी योजना में क्रियान्वयन में लापरवाही एवं निष्क्रियता किए जाने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के नियम 4 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत दुर्ग निर्धारित किया गया है।

पक्के घर के साथ सुखबाई खुटे के जीवन में आई नई रोशनी

पीएम आवास योजना से जरूरतमंद लोगों का सपना हो रहा साकार

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल योजना नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षित भविष्य की गारंटी बनकर उभरी है। इस योजना ने देश के लाखों परिवारों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम सेमरा की निवासी श्रीमती सुखबाई खुटे की है। जिनका जीवन इस योजना के कारण खुशहाली से भर गया।

श्रीमती सुखबाई खुटे के पति का देहांत कुछ समय पूर्व हो गया था, जिसके बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। परिवार में केवल उनका एक बेटा है। आय का कोई स्थायी साधन न होने के कारण वे मेहनत-मजदूरी करके अपना और बेटे का जीवन यापन करती हैं। श्रीमती सुखबाई अपने बेटे के साथ एक पुराने और जर्जर कच्चे मकान में रहती थीं। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, दीवारें कमजोर हो चुकी थीं और घर के गिरने की आशंका बनी रहती थी। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उनके लिए पक्का मकान बनाना एक असंभव सपना जैसा था। कई बार उन्होंने सोचा कि काश उनका भी एक छोटा सा पक्का घर होता, जहाँ वे सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवनयापन कर पातीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह सपना अधूरा ही नजर आता था। इसी दौरान ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की जानकारी मिली। सुखबाई ने पंचायत की मदद से योजना के लिए आवेदन किया। आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद उनका चयन लाभार्थी के रूप में हो गया। योजना के तहत स्वीकृति मिलने के बाद सुखबाई के जीवन में उम्मीद की एक नई किरण जागी। योजना के तहत प्रदान की गई आर्थिक सहायता से उनके घर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

विश्वगुरु स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज शिविर में क्रियायोगियों का करेंगे मार्गदर्शन

दुर्ग में विशेष ध्यान साधना शिविर 20 से, देशभर से जुटेंगे क्रियायोगी

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रज्ञानालय क्रियायोग आश्रम एलआईजी-297 पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा 20 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित विशेष ध्यान साधना शिविर में देशभर से क्रियायोगी जुटेंगे। यह पांच दिवसीय शिविर आदर्श नगर स्थित चौपड़ा पैलेस में आयोजित किया गया है। शिविर में क्रियायोग के विश्वगुरु स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज पधारेंगे। उनका तीसरी बार दुर्ग में आगमन हो रहा है। जिसके चलते क्रियायोगियों में उत्साह का माहौल है। गुरुदेव शिविर में क्रियायोगियों को विशेष ध्यान साधना की टेकनिक बताएंगे और प्रतिदिन क्रियायोग भगवद्गीता के प्रवचन के माध्यम से क्रियायोगियों का मार्गदर्शन करेंगे। शिविर में गुरुदेव द्वारा 108 दीक्षार्थियों को दीक्षा दिलाई जाएगी। यह दीक्षा समारोह संख्या की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में पहला बड़ा दीक्षा समारोह है।

दुर्ग प्रवास के दौरान गुरुदेव स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज विद्यार्थियों और एसटीएफबघेरा के जवानों से सीधे संवाद करेंगे। जहां विद्यार्थियों को वे परीक्षा के दौरान तनाव से दूर रहने के टिप्स देंगे, वहीं जवानों को तनावमुक्ति का समाधान बताएंगे। गुरुदेव राधाकृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी पुलगांव और भिलाई स्थित जगन्नाथ मंदिर भी जाएंगे। यहां वे श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे। विशेष ध्यान साधना शिविर का

शुभारंभ 21 फरवरी को प्रात: 11 बजे स्वामी परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे। इस दौरान अन्य अतिथि व वरिष्ठ क्रियायोगी विशेष रुप से मौजूद रहेंगे। यह बातें क्रियायोग आश्रम पद्मनाभपुर की संचालिका स्वामी धरानंदगिरि ने मंगलवार को मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान आश्रम के अध्यक्ष टीके कुम्भज, सचिव युवराज देशमुख कोषाध्यक्ष दिलीप देशमुख, कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश वर्मा, गजानंद गौतम, गंगाधर ठाकरे, प्रहलाद त्रिवेदी, हरीश हरवानी भी मौजूद रहे।

चर्चा में क्रियायोग आश्रम पद्मनाभपुर की संचालिका स्वामी धरानंदगिरि ने बताया कि क्रियायोग जीवआत्मा को परमात्मा से एकाकार कराने का सरल मार्ग है। जिसमें मनुष्य को स्वास्थ्य लाभ के साथ ईश्वर से एकाकार होने का एहसास होता है। उन्होनें विशेष ध्यान साधना शिविर के संबंध में बताया कि 20 फरवरी को दोपहर 3 बजे जनता मार्केट पद्मनाभपुर से आश्रम तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। तत्पश्चात सद्गुरु पादुका-पूजन किया जाएगा। 21 फरवरी को सुबह 6 बजे गुरु वंदना, सुबह 10 बजे अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन कर पांच दिवसीय शिविर का शुभारंभ होगा। इस दिन संध्या 6 से 7 बजे तक गुरुदेव द्वारा क्रियायोग भगवद्गीता पर प्रवचन दिया जाएगा, जिसका जन सामान्य लोगों को श्रवण लाभ प्राप्त होगा। तत्पश्चात गुरुदेव महाप्रभु श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-06 जाएंगे।

यहां वे शाम 7:15 से रात्रि 8 बजे तक प्रवचन देंगे। 22 फरवरी को प्रात: 7.30 से 11 बजे तक गुरुदेव द्वारा 108 नए दीक्षार्थियों को दीक्षा दिलाएंगे। शाम 6 से रात्रि 7 बजे तक क्रियायोग भगवत गीता का प्रवचन तथा शाम 4 बजे से 5:30 बजे तक राधाकृष्ण मंदिर महेश कालोनी में गुरुदेव की अमृतवाणी होगी। 23 फरवरी को प्रात: 9 से 10:30 बजे तक प्रवचन तथा दोपहर 3-4 बजे तक एसटीएफ कालोनी बघेरा में जवानों का मार्गदर्शन करेंगे। शाम 6 से 7 बजे तक गीता प्रवचन होगा। 24 फरवरी को प्रात: 9 से प्रात: 10 बजे तक गुरुदेव द्वारा सत्संग तथा संध्या 6 से संध्या 7 बजे तक प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

25 फरवरी को प्रात: 6 से प्रात: 7 बजे तक गुरुवंदना एवं निर्देशित ध्यान तथा प्रात: 9 से दोपहर 12 बजे तक समापन कार्यक्रम एवं होली उत्सव का आयोजन किया गया है। स्वामी धरानंदगिरि ने बताया कि अमर महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को पुन: प्रस्तुत किया है, जो जीवन और ध्यान की प्राचीन और दिव्य प्रदत्त पद्धति है। क्रियायोग की शिक्षा और तकनीकें क्रिया गुरुओं की एक परंपरा के माध्यम से गुरु से शिष्य तक सीधे हस्तारित होते आ रही हैं। परमहंस हरिहरानंद महाराज ने 2002 में अपना योगिक शरीर त्याग दिया था, उनके वर्तमान में परमहंस प्रज्ञानानंद महाराज उत्तराधिकारी हैं और इस परंपरा के वे प्रमुख हैं। स्वामी धरानंदगिरि ने क्रियायोग के लाभ बताते हुए कहा कि क्रियायोग हमें एकाग्रता, आसन और श्वास की प्राचीन तकनीकों का उपयोग करके प्रकाश, कंपन और ध्वनि के तीन दिव्य गुणों को विकसित और अवलोकन करने में मदद करता है, यह एकाग्र मन का विकास करता है, जो हमें चेतना के गहनतम स्तरों में प्रवेश करने में सक्षम बनाता है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26